PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 303 ● भिलाई, सोमवार 15 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ की देशव्यापी अभियान की घोषणा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने जानकारी दी कि कांग्रेस 17 जून को राजस्थान के कोटा से इसकी शुरुआत करेगी। केसी वेणुगोपाल ने अपने बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और सरकार की ओर से भारत के युवाओं के साथ लगातार हो रहे धोखे के बढ़ते संकट के खिलाफ एक देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत के छात्रों और युवाओं के लिए सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। वे छात्रों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाने के लिए बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित करेंगे। इसकी शुरुआत कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी।

पुलिस ने 2 देसी पिस्तौल के साथ दो गैंगस्टर को बठिंडा में किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में हथियार और ड्रग्स तस्करों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चलाते हुए कार्रवाई कर रही है। आए दिन तस्करों को पुलिस गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से हथियार और मादक पदार्थ बरामद कर रही है। इसी कड़ी में बठिंडा में दो आरोपियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी है, जिसमें बताया है, पंजाब की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने बठिंडा में दो आरोपियों को पकड़ा है। इनके पास से .32 बोर की दो देसी पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। डीजीपी ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि दोनों आरोपी फिरोजपुर इलाके में सक्रिय एक जेल में बंद गैंगस्टर द्वारा चलाए जा रहे आपराधिक नेटवर्क से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम हुआ सुहाना

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ है। भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार 13 जून के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत पूरे एनसीआर में तेज हवाओं, गरज-चमक, आंधी और हल्की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले चार दिनों तक मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहेगा, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार, 13 जून को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

फ्रांस में बोले पीमए मोदी

भारत की प्राथमिकता मानव आधारित टेक्नोलॉजी है-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के नीस शहर में 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का संयुक्त उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा भारत आज बहुत तेजी से और बड़े स्तर पर नई तकनीक और आइडियाज पर काम कर रहा है। भारत का यह काम सिर्फअपने लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के भले और एक सुरक्षित भविष्य के लिए है। फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, भारत और फ्रांस की एक विशेष साझेदारी है- इसमें जुड़ाव (कनेक्शन), दृढ़ विश्वास (कन्विक्शन), नवाचार (इनोवेशन), प्रेरणा (इंस्पिरेशन) और साझा दृष्टिकोण (शेयर्ड विज़न) है। भारत के युवा इनोवेटर्स ऐसे समाधान तलाश रहे हैं, जो पूरी मानवता को लाभ पहुंचा सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा, आइए, भारत के साथ सहयोग कीजिए और दुनिया के लिए टेक्नोलॉजिकल सॉल्यूशंस विकसित कीजिए। प्रधानमंत्री ने कहा, यह 'रिफॉर्म एक्सप्रेस रुकेगी नहीं। यह जारी रहेगी। स्टार्टअप्स की संख्या में भी और बढ़ोतरी होगी। पीएम ने कहा, पिछले 12 वर्षों में, भारत ने एक मजबूत इनोवेशन सिस्टम तैयार की है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत की प्राथमिकता मानवता के लिए तकनीक और ह्यूमन-सेंट्रिक इनोवेशन है। इनोवेशन भारत के डीएनए में है। उन्होंने कहा, भारत स्पीड और बड़े स्केल के साथ इनोवेशन करता है। भारत एक सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए इनोवेशन करता है। भारत पूरी दुनिया के लिए इनोवेशन करता है। उन्होंने कहा, भारत-फ्रांस साझेदारी सुरक्षा से लेकर सतत विकास तक फैली हुई है। पीएम मोदी ने भारत-फ्रांस साझेदारी की सराहना की और कहा कि दोनों देश साझा मूल्यों और हितों से बंधे हुए हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग मानव-केंद्रित और नैतिक होना चाहिए। ग्लोबल एआई रेस के बारे में बात करते हुए इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत में इस विघटनकारी तकनीक में महारत हासिल कर दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने आगे कहा कि फ्रांस ग्लोबल एआई समिट 2027 के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेगा। बता दें कि, प्रधानमंत्री 13 से 18 जून तक फ्रांस और स्लोवाकिया के 6 दिनों के दौरे पर हैं। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। उनका फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। वे 13-14 जून तक नीस में रहेंगे। 16 से 17 जून को एवियान में जी7 समिट में हिस्सा लेंगे। 18 जून को पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक सम्मेलन में जाएंगे। 17 जून को जी7 समिट के दौरान मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से द्विपक्षीय मुलाकात होगी। दोनों नेता 16 महीने बाद मिलेंगे। दोनों आखिरी बार फरवरी 2025 में वॉशिंगटन में मिले थे।

राष्ट्रपति मैक्रों बोले-भारत इनोवेशन का वैश्विक केंद्र

राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत को नवाचार का देश बताते हुए कहा कि फ्रांस रक्षा, तकनीक और 'मेक इन इंडिया' जैसे क्षेत्रों में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। उन्होंने,ह, जलवायु परिवर्तन और नागरिक परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया। साथ ही स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी नई परमाणु तकनीकों में संयुक्त कार्य की इच्छा जताई। 14 से 16 जून तक चलने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत के 120 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप्स, 15 से ज्यादा प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और शोध संगठन हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप्स और शोध संस्थानों को वैश्विक निवेशकों, उद्योग विशेषज्ञों और अकादमिक जगत से जोड़कर नवाचार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बढ़ावा देना है।

हस्ताक्षर मिलान विवाद मामला

आज सीआईडी के सामने पेश होंगे अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा में कथित हस्ताक्षर मिलान विवाद से जुड़े मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी रविवार को सीआईडी के समक्ष पेश होंगे। इस मामले में उनसे दूसरी बार पूछताछ की जाएगी। वहीं, टीएमसी विधायक कुणाल घोष को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पूरा मामला यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में जमा किए गए एक आधिकारिक दस्तावेज पर कुछ टीएमसी विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित विसंगति से जुड़ा हुआ है। इससे पहले 11 जून को उनसे करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई थी। उस समय कलकत्ता हाईकोर्ट की अवकाशकालीन पीठ ने उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर सीआईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। सीआईडी ने टीएमसी विधायक और पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष को भी इसी मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है।

छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक के साथ ही दुर्ग-भिलाई सहित कई जिलों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया है। इस पहली मानसूनी फुहार से जहां लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली है, वहीं पारे में आई भारी गिरावट ने मौसम को खुशनुमा बना दिया है। फोटो - नाहीद शेख

टीएमसी के बागी नेताओं के साथ डिनर

सीएम शुभेंदु अधिकारी की गैरमौजूदगी पर बढ़ी चर्चा...

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज शाम तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक डिनर के रूप में आयोजित की जा रही है। इस बैठक को पार्टी के भीतर चल रही राजनीतिक गतिविधियों और संभावित रणनीतिक बदलावों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि, पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे। सूत्रों के अनुसार, शुभेंदु अधिकारी की पहले इस डिनर में शामिल होने की योजना थी, लेकिन अन्य निर्धारित बैठकों में बदलाव होने के कारण उनका दिल्ली आना संभव नहीं हो सका। बावजूद इसके, उनके करीबी माने जाने वाले कई बागी टीएमसी सांसद इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा है कि बैठक में संसद और पार्टी की भविष्य की रणनीति पर चर्चा होगी।

रक्षा मंत्री की पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी

नापाक हरकतें नहीं रोकी तो दाना-पानी कर देंगे बंद......

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के आगरा में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने देश की सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अब सुरक्षा बलों को आतंकियों के खिलाफनिर्णायक कार्रवाई की पूरी छूट दी गई है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष और देशभक्ति को याद करते हुए कहा कि उनका शौर्य और आत्मसम्मान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने मुगलों के सामने कभी घुटने नहीं टेके और कठिन परिस्थितियों में भी मातृभूमि की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल के सुरक्षा अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने में सक्षम है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वह आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत विरोधी गतिविधियों से बाज नहीं आता, तो भारत और भी कड़े फैसले लेने पर मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि आज विश्व मंच पर भारत की आवाज को गंभीरता से सुना जाता है और देश की प्रतिष्ठा पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुई है।

भांजी से बात करने की खौफनाक सजा, मामाओं ने बीच सड़क पर युवक पर चढ़ा दी कार

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक को लड़की से बात करना इतना भारी पड़ गया कि उसे जानलेवा हमले का शिकार होना पड़ा। लड़की के मामाओं को युवक का उनकी भांजी से बात करना बिल्कुल पसंद नहीं था। इसी रंजिश के चलते मामाओं ने बीच सड़क पर फिल्मी स्टाइल में युवक की बाइक को अपनी तेज रफ्तार कार से रौंद डाला। शुरुआत में यह पूरा मामला एक सामान्य सड़क हादसा लग रहा था, लेकिन जब पुलिस के हाथ घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज लगा, तो इस खौफनाक साजिश की पूरी सच्चाई दुनिया के सामने आ गई।

आलोचना करना ही काम

देश की उपलब्धियों को कमतर आंक रहे-निर्मला

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला किया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी पर भारत की उपलब्धियों को कमतर आंकने का आरोप लगाया. निर्मला सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में जब भी बोलते हैं, तो वह हर चीज की केवल आलोचना ही करते हैं. राहुल भारत की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं. इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को निशाना बनाने के प्रयास में देश और उसके नागरिकों की उपलब्धियों को भी कमतर आंकते हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद लगातार प्रगति कर रहा है. नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ये सब गतिविधियां दिखती ही नहीं है. निर्मला सीतारमण का राहुल गांधी पर हमला, बोलीं- सिर्फ आलोचना करना ही काम बीजेपी शासन के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विकसित भारत संकल्प समावेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी जब भी लोकसभा में बोलते हैं, तो उनका उद्देश्य केवल सरकार की आलोचना करना होता है. वित्त मंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष भारत की उपलब्धियों को कमतर आंकने की कोशिश करते में वे देश के लोगों की मेहनत और उपलब्धियों को नजरअंदाज कर रहे होते हैं.

महाराष्ट्र के पंढरपुर में बड़ा हादसा

कुएं में गिरी पिकअप वैन वाहन, 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

सोलापुर के पंढरपुर से एक भीषण हादसे की खबर आई है। सोलापुर में म्हसवाड-पंढरपुर मार्ग पर तांडुवाड़ी गांव के पास एक पिकअप वैन के कुएं में गिरने से एक भयानक हादसा हुआ है। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई है। दुर्घटना में मारे गए सभी श्रद्धालु पंढरपुर के रंजनी गांव के निवासी थे। इस भयावह हादसे के बाद पूरे पंढरपुर में सनसनी फैल गई है। घटनास्थल से मिली जानकारी में बताया जा रहा है कि हादसे में शामिल श्रद्धालु पंढरपुर तालुका के रंजनी गांव के थे। ये सारे लोग एक पिकअप गाड़ी में तीर्थ यात्रा के लिए गए थे। यह हादसा तंदुलवाड़ी के पास हुआ जब वे म्हसवड में एक मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना था कि सागर चौगुले अपने परिवार के सदस्यों को गाड़ी में साथ ले गए थे। रिपोर्ट से पता चला है कि मरने वालों में पांच से छह बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। तंदूरीवाड़ी गांव के लोग तुरंत मौके पर मदद के लिए पहुंचे। तब तक सभी लोगों की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों, पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों ने मिलकर कुएं से शव निकाले और शवों को अस्पताल भेजा गया। हादसे में मारे गए लोगों के नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। ऐसा दावा किया जा रहा है कि हादसे में मृत श्रद्धालु एक ही परिवार के थे। पंढरपुर में हुए इस हादसे के बाद महाराष्ट्र में खुले कुओं का मुद्दा चर्चा में आ गया है। बता दें कि पंढरपुर के रंजनी गांव से एक समूह मंदिर में दर्शन के लिए गया था। इस ग्रुप में महिलाएं, पुरुष और बच्चे बी शामिल थे। ये ग्रुप सिद्धनाथ मंदिर गया और वहां दर्शन किए। सिद्धनाथ के दर्शन के बाद घर लौटते समय यह हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी यह पिकअप वैन सीधे कुएं में जा गिरी। इस घटना के बाद हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। श्रद्धालुओं की मौत के बाद पूरे इलाके में मातम छाया हुआ है।

ट्रेन में आग की अफवाह और कूदने लगे यात्री दूसरी ट्रेन की चपेट में आने से 8 लोगों की दर्दनाक मौत

सरायछोला थाना क्षेत्र के हेतमपुर स्टेशन के पास रविवार की दोपहर को उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग की अफवाह फैली। बताया जाता है कि किसी के मोबाइल में आग लगी थी, इस अफवाह के चलते चेन खींचकर ट्रेन रोक दी। इस बीच कई यात्री ट्रेन से कूद गए। इसी दौरान आगरा की तरफसे आ रही पातालकोट ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई है। चार मृतकों की पहचान कर ली गई है, जिनका नाम आफरीन पत्नी नदीम खान उम्र 35 साल निवासी सुल्तान गंज की पुलिया आगरा, उसका चार साल का बेटा असद खान तथा शकुंतला पत्नी भूरी सिंह परमार उम्र 60 साल निवासी कचहरा थोक रुनकुता आगरा, बिरमा देवी पत्नी गिरधारी गिरी उम्र 60 साल निवासी गेसोरा थाना महाजन जिला बीकानेर राजस्थान है। सूचना मिलने पर सरायछोला थाना पुलिस, आरपीएफमौके पर पहुंच गई। इस पूरी घटना को लेकर उत्तर मध्य रेलवे ने बताया कि 14 जून को करीब 16:15 बजे उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के हेतमपुर-धौलपुर रेलखंड में गाड़ी संख्या 19665 खजुराहोउदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में किसी यात्री की तरफसे अलार्म चेन पुलिंग किए जाने की वजह से गाड़ी सेक्शन में रुक गई। रेलवे ने बताया कि प्राप्त प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, गाड़ी के रुकने के दौरान कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर समीपवर्ती रेल लाइन पर चले गए। इसी दौरान दूसरी तरफसे रही ट्रेन फिरोजपुर सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से कुछ यात्रियों के हताहत होने की जानकारी मिली है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल , सरकारी रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद प्रभावित यात्रियों को जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। हादसे के कारणों और परिस्थितियों की विस्तृत जांच की जा रही है।

CMYK

बदलते मौसम के हमसफर

शहर में छाए मानसूनी बादलों के बीच आसमान में एक अनुशासित कतार में उड़ान भरते पक्षी, जो मानसून के आगमन का संकेत दे रहे हैं.

फोटो - नाहीद शेख

मोदी सरकार के 12 वर्षों में भारत बना वैश्विक महाशक्ति, नेहरू का रिकॉर्ड टूटा: गृह मंत्री विजय शर्मा

दुर्ग में आयोजित मीडिया संवाद में पीएम की जमकर सराहना की

विशेष संवाददाता/ दुर्ग/14 जून। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा रविवार को दुर्ग दौरे पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने केंद्र की एनडीए सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। दुर्ग के सर्किट हाउस में आयोजित इस मीडिया संवाद के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व की जमकर सराहना की और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णयों पर प्रकाश डाला।

नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ पीएम मोदी ने रचा नया इतिहास- पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने इन 12 वर्षों में देश को एक बेहद मजबूत नेतृत्व प्रदान किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की एक सशक्त पहचान बनी है। उन्होंने एक ऐतिहासिक आंकड़े का जिक्र करते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में शासन कर पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है, जो देश की जनता के अटूट विश्वास का सबसे बड़ा प्रमाण है।

देशहित में बड़े फैसले और कांग्रेस पर तीखा प्रहार- गृह मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा और मजबूत कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि, देशहित को हमेशा सर्वोपरि रखते हुए केंद्र सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं, जिसमें हाल ही में देशवासियों के हित में लागू किए गए तीन नए कानून शामिल हैं। उन्होंने विपक्ष पर तीखा निशाना साधते हुए पत्रकार वार्ता में एक विशेष वीडियो प्रदर्शित किया और कहा कि इसके माध्यम से कांग्रेस नेताओं की असलियत और उनकी मानसिकता पूरी दुनिया के सामने आ चुकी है।आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति और रक्षा निर्यात में ऐतिहासिक उछाल विजय शर्मा ने आंकड़ों के साथ आत्मनिर्भर भारत की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की.

विश्व की टॉप-5 इकोनॉमी - भाजपा सरकार ने देश को पूरी तरह डिजिटल बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया है, जिसके चलते आज भारत दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शान से खड़ा है। देश की आर्थिक वृद्धि दरआज वैश्विक मंच पर सबसे मजबूत है और पूरी दुनिया को हैरान कर रही है। 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत भारत में निर्मित पहले एयरबस विमान की सफल उड़ान ने आत्मनिर्भरता के सपने को सच किया है। इसके साथ ही, भारत आज रक्षा क्षेत्र में करीब 24 हजार करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निर्यात कर रहा है।आदिवासी समाज का उत्थान और रिकॉर्ड विदेशी निवेशअपने संबोधन के समापन पर गृह मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति, विशेष रूप से आदिवासी समाज के समग्र उत्थान को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। इसी जनकल्याणकारी नीतियों और सुशासन के कारण आज वैश्विक मंच पर भारत के प्रति भरोसा बढ़ा है, जिसका नतीजा है कि बीते वर्षों में करीब 70 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम विदेशी निवेश भारत में आया है, जो देश की बेहद मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है।इस प्रेस वार्ता के दौरान विधायक ललित चंद्राकर, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भखारा में शिक्षा, कौशल, जनसुविधाओं के विकास को मिलेगी नई गति : अबिनाश मिश्रा

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कुरूद विकासखंड के भखारा क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न विकास एवं शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मिनी एजुकेशन सेंटर, लाइवलीहुड कॉलेज, स्किल सेंटर तथा छात्रावास परिसर का अवलोकन कर वहां संचालित गतिविधियों की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास और बेहतर जनसुविधाएं किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होती हैं। भखारा क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुखी अवसर उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लाइवलीहुड कॉलेज और स्किल सेंटर के माध्यम से स्थानीय युवाओं को उनकी रुचि एवं बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इससे न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। कलेक्टर ने छात्रावास परिसर का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर नगर पंचायत भखारा स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना पर भी चर्चा की गई।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि तालाब का विकास केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे नागरिकों के लिए एक आकर्षक एवं उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां चौपाटी, ओपन जिम, पाथ-वे सहित अन्य जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे स्थानीय नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों को स्वास्थ्य, मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के सार्वजनिक स्थलों के विकास से लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर पर्यटन और छोटे व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, समयबद्धता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। भखारा क्षेत्र में प्रस्तावित ये विकास कार्य शिक्षा, कौशल संवर्धन, रोजगार सृजन और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्रदान करेंगे।

समर कैंप के समापन पर बांटे गए पुरुस्कार

भंवरपुर। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला चनाट में चल रहे समर कैंप का समापन जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा एवं एपीसी संपा बोस की उपस्थिति सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर पर विकास खंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव, केके पुरोहित (पीएमश्री सजेस बसना), विजय धृतलहरे प्रधान पाठक बिलखंड, शाला विकास समिति के अध्यक्ष संजय पटेल एवं समस्त जनप्रतिनिधि, ग्रामवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समर कैंप के अंतिम दिवस पर बच्चों द्वारा लोक कला से सम्बन्धित सुआ नृत्य एवं कृष्ण सुदामा मित्रता का संदेश प्रसंग को लेकर शानदार मंचन का प्रदर्शन किया गया। अतिथियों ने बच्चों की कलाकारी की सराहना करते हुए कहा कि शहरों से दूर दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में जहां संसाधन का अभाव हो वहां इस तरह का आयोजन तारीफ योग्य है। विकास खंड शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक द्वारा द्वारा पीएमश्री चनाट के नागरिकों की जनसहभागिता की तारीफ की। दस दिवसीय समर कैंप में 80 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति देने वाले बच्चों, कक्षा 1 से 5 तक के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मोमेंटो एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र छात्राओं, गणमान्य नागरिकों एवं अतिथियों को शाला प्रबंधन एवं विकास समिति द्वारा भोजन कराया गया। इस दौरान संकुल समन्वयक रोहित पटेल एवं प्रधान पाठक नीलाम्बर नायक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा स्वास्थ्य केंद्रों को चिकित्सा सहयोग सामग्री और बेंच प्रदान

बलौदाबाजार। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, सुदृढ़ और बेहतर बनाने के उद्देश्य से अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा एक सराहनीय और जनकल्याणकारी पहल की गई है। संस्थान ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत क्षेत्र के छः प्रमुख ग्रामों - रावन, खपराडीह, गुमा, चुचरूंगपुर, झीपन और नेवारी - के उप-स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर'' विभिन्न आवश्यक चिकित्सा और बुनियादी सहायता सामग्री प्रदान की है। इस विशेष सहयोग अभियान के अंतर्गत, उप-स्वास्थ्य केंद्रों के प्रतिवेदन को ध्यान में रखते हुए मरीजों की जांच के लिए आधुनिक बी.पी. मशीन तथा दवाओं व दस्तावेजों के व्यवस्थित रख-रखाव के लिए मजबूत आयरन रैक सौंपे गए है। साथ ही भीषण गर्मी से राहत के लिए कूलर, मरीजों व आगंतुकों के बैठने के लिए प्लास्टिक कुर्सियां और केंद्रों के सुचारू संचालन व स्वच्छता के लिए आवश्यक ऑफिस चेयर, ऑफिस टेबल और डस्टबिन जैसी सामग्रियां प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, मरीजों की सुविधा के लिए उप-स्वास्थ्य केंद्रों में सीमेंट बेंच लगाए गए हैं, जिसमें रावन में 4, खपराडीह में 2, गुमा में 2, झीपन में 2 और चुचरूंगपुर में 2 सीमेंट बेंच शामिल हैं। अल्ट्राटेक सीएसआर टीम द्वारा किये गये इस प्रवास के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने सीएसआर केंद्र रावन के प्रति आभार व्यक्त किया।

शब्दों का पिंजरा - डेक: इंसान मर जाता है, लेबल ज़िंदा रहते हैं

भाग 1: पिंजरा क्या है?

कभी किसी ने सोचा है कि...शब्द.. कितने गंभीर और घातक हो गए हैं वक्त के साथ।

हम शब्दों को ढो रहे हैं, और थक गए हैं उन्हें ढोते-ढोते।

शब्दों का डर हमारे भीतर इस कदर भर दिया गया है कि उनके अर्थ को चरितार्थ करने की कोशिश में हम खुद टूट रहे हैं, बिखर रहे हैं। फिर भी हम उन्हें ओढ़े हुए हैं, पीढ़ी-दर-पीढ़ी।

हर पल कोई न कोई इनकी गिरफ्त में कैद होकर खत्म हो रहा है। खा रहे हैं ये इंसान को।

इनके बंधन में छटपटाकर इंसान खत्म हो जाता है, पर...शब्द अमर हो जाते हैं।

इंसान ने शब्दों को तो अमर कर दिया, पर उन्हें कभी जला नहीं पाया। इनकी जकड़न जानलेवा है।

भाग 2: हम कैसे फंसे?

शब्दों के जन्म के साथ इतिहास ने शब्दों को इतना बल दे दिया है कि आज जब कोई उनसे बाहर निकलना चाहता है, तो इनकी कूटरचित नीति में फंसकर खुद को ही गलत मान बैठता है।

इंसान जी नहीं रहा। खुद को खोकर शब्दों

को जी रहा है...

क्या शब्द जीवन से बड़े हो गए हैं?

क्या वे साक्षी बन गए हैं हमारे चरित्र के, हमारी नियति के?

सोचती हूँ, जब इंसान ने बोलना शुरू नहीं किया होगा, या जब शब्द इंसान से छोटे होंगे तब जीवन कितना सरल रहा होगा।

न शब्दों को सही साबित करने का भार। न उनके अर्थों में उलझकर खुद को खो देने का डर।

तब इंसान ज्यादा इंसान रहा होगा। तब वो सिर्फ जीता होगा.. बस जीता होगा।

शब्द की शातिरता देखिए। खुद को अमर बनाने के लिए इंसान से लड़ता भी है और दूसरों को लड़ाता भी है। पर शब्दों पर कभी आंच नहीं आती।

इंसान ने शब्दों को पैदा किया और इंसान के पैदा होते ही शब्दों ने उसे कैद कर लिया: लड़का-सही-गलत, लड़की-सही-गलत, जाति-सही-गलत, धर्म-सही-गलत।

शब्दों का ये संसार तो संसार से भी ऊपर है।

कभी मकड़ी को जाल बुनते देखा है? कितनी शातिर होती है। अपने शिकार को फंसाने के लिए कितनी महीन बुनाई करती है।

शब्द अब मुझे वैसे ही लगते हैं। एक जाल, एक कैद।

भाग 3: आज़ाद कैसे हों?

शब्द कभी थकते नहीं। पर क्या अपने ब्रह्मांड में घूमते-घूमते इन्हें भी कभी थकान लगी होगी? कभी ये भी शर्मिंदा हुए होंगे?

तो फिर मेरा 'मैं' हो जाना ही सही होगा। शब्दों से मिली थकान उतारने और उनका बोझ कम करने के लिए।

मेरी क्रिया से ही तो इन्हें बल मिलता है। तो मेरी खामोशी से ही इन्हें शांति मिलेगी।

देखा है हमने, कभी खामोशी कितना कुछ बोल देती है और वहां शब्द अर्थहीन हो जाते हैं।

शब्द व्यर्थ नहीं हैं। पर ये सच है, अब हम सजग हो रहे हैं। इनकी कैद से बाहर आना चाहते हैं।

जब शब्द आए थे, तब इंसान ज्यादा इंसान था। अब शब्द बढ़ते जा रहे हैं, और इंसान घटता जा रहा है।

मैं शब्दों से पहले 'मैं' थी। अब मैं पिंजरे से छूटना चाहती हूं, क्योंकि शब्दों ने हमें बांट दिया है।

पति खत्म हो गया, पर 'पति' शब्द ज़िंदा है।

पत्नी जल गई, पर 'पत्नी' शब्द अमर है।

कब तक शब्दों को अमर करके इंसान को खत्म करते रहोगे?

ये लेख अधूरा है... क्योंकि मैं अभी पिंजरे से निकलने की कोशिश में हूं। जिस दिन निकल गई, उस दिन आखिरी शब्द खुद लिख दूंगी।

..तब तक आप बताइए... सुबह उठकर आप 'इंसान' होते हैं या 'पति/पत्नी/वकील/बहु'?

डॉक्टर अनुराधा बक्शी
अधिवक्ता, दुर्ग, छत्तीसगढ़

संक्षिप्त समाचार

गैरेज में खड़ी कार से इंटरकूलर चोरी, सीसीटीवी फुटेज से आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने गैरेज में मरम्मत के लिए खड़ी कार से इंटरकूलर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया तथा न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। पुलिस के अनुसार, 7 जून को विश्वकर्मा मार्केट स्थित श्री बालाजी रबा मोटर्स वर्क्स के संचालक ने थाना सुपेला में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि मरम्मत के लिए 5 जून को गैरेज में खड़ी स्विफ्ट डिजायर कार (सीजी 07 एजी 4848) के इंटरकूलर की जांच करने पर वह गायब मिला। गैरेज में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक व्यक्ति वाहन का इंटरकूलर कपड़े में लपेटकर ले जाते हुए दिखाई दिया। जांच के दौरान उसकी पहचान बंटी उर्फबेटी जी नट के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बंटी उर्फबेटी जी नट (30 वर्ष) निवासी डमरूपारा, वार्ड क्रमांक-08, न्यू कृष्णा नगर, सुपेला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया इंटरकूलर और अन्य आवश्यक साक्ष्य बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार चोरी गए इंटरकूलर की कीमत लगभग 10 हजार रुपये है। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से सहायक उप निरीक्षक अजय शंकर अविनाशी, आरक्षक मनोज ध्रुव और आरक्षक कमल साहू का योगदान सराहनीय रहा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, रायगढ़ पुलिस ने सीतापुर से दबोचा

रायपुर। महिलाओं से जुड़े अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान संवेदना के तहत रायगढ़ पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी पर फेसबुक के माध्यम से दोस्ती कर एक महिला को शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने 28 अप्रैल 2026 को महिला थाना रायगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2023 में उसकी पहचान फेसबुक के जरिए आरोपी नीरापद बबली उर्फ नीरापद बबाली से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने स्वयं को अविवाहित बताते हुए विवाह का वादा किया और विश्वास में लेकर महिला से संबंध बनाए। पीड़िता के अनुसार आरोपी कई बार उसके घर आया और शादी का भरोसा दिलाते हुए शारीरिक संबंध बनाता रहा। बाद में वह उसे कुडुमकेला स्थित किराए के मकान में भी अपने साथ रखता रहा। महिला का आरोप है कि वर्ष 2025 तक आरोपी उसका शारीरिक शोषण करता रहा। अप्रैल 2026 में जब आरोपी दोबारा उसके घर पहुंचा तो उसने यह कहकर शादी से इंकार कर दिया कि वह पहले से विवाहित है। विरोध करने पर आरोपी ने कथित रूप से गाली-गलौज और धमकी भी दी। मामले में महिला थाना रायगढ़ ने अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस की टीम ने कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी लगातार ठिकाना बदलकर फरार चल रहा था। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी सरगुजा जिले के सीतापुर क्षेत्र में मौजूद है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर महिला थाना की टीम ने सीतापुर के पेटला क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। आवश्यक कानूनी और चिकित्सीय प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। रायगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ पुलिस संवेदनशीलता और दृढ़ता के साथ त्वरित वैधानिक कार्रवाई कर रही है तथा ऐसे मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

रायपुर में नशेड़ी वाहन चालकों पर पुलिस का एक्शन, एक रात में 52 चालक पकड़े गए

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए रायपुर यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक 3365 नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इसी कड़ी में 7 जून की रात शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। एसीपी यातायात सतीष ठाकुर के नेतृत्व में तेलीबांधा चौक, पचपेड़ी नाका, भट्ठागांव चौक, टाटीबंध चौक, कालीबाड़ी चौक, जय स्तंभ चौक, भनपुरी चौक और पंडरी थाना के सामने यातायात अधिकारियों एवं जवानों की टीमों ने जांच अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान 52 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़े गए।

स्ट्रीट वेंडर्स के सपनों को मिली नई उड़ान

छत्तीसगढ़ में 1.12लाख से अधिक वेंडर्स को मिला आर्थिक संबल.....

रायपुर/ संवाददाता

कभी सड़क किनारे ठेला लगाकर सब्जियां बेचने वाले, चाय-नाश्ते की छोटी दुकान चलाने वाले या फिर फुटपाथ पर रोजी-रोटी कमाने वाले लाखों स्ट्रीट वेंडर (रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों) के लिए पूंजी की कमी सबसे बड़ी चुनौती थी। बैंक ऋण तक पहुंच नहीं होने के कारण उनका व्यवसाय सीमित था। लेकिन प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने इन छोटे उद्यमियों के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिखी है। छत्तीसगढ़ में इस योजना के माध्यम से अब तक 1 लाख 12 हजार 36 से अधिक स्ट्रीट वेंडर (पथ विक्रेताओं) को 256 करोड़ 94 लाख रुपये से अधिक की ऋण सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। योजना ने न केवल उनके कारोबार को मजबूती दी है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका का नया अवसर भी प्रदान किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान आजीविका पर पड़े गंभीर प्रभाव को देखते हुए केंद्र सरकार ने 1 जून 2020 को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में काम करने वाले स्ट्रीट वेंडर को बिना गारंटी कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने व्यवसाय को फिर से शुरू कर सकें और उसका विस्तार कर सकें। योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी प्रकार की गारंटी की आवश्यकता नहीं होती। समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राहियों को अगले चरण में अधिक राशि का ऋण प्राप्त करने का अवसर मिलता है। योजना के तहत लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। प्रथम चरण में 10,000 रूपए तक का ऋण, द्वितीय चरण में 20,000 रूपए तक का ऋण तथा तृतीय चरण में 50,000 रूपए तक का ऋण दिया जाता है। अर्थात इस योजना के अंतर्गत न्यूनतम 10 हजार रुपये से लेकर अधिकतम 50 हजार रुपये तक की कार्यशील पूंजी ऋण सहायता प्राप्त की जा सकती है। समय पर पुनर्भुगतान करने वाले हितग्राही ही अगले चरण के लिए पात्र बनते हैं। पीएम स्वनिधि योजना का लाभ उन छोटे कारोबारियों को मिलता है जो सड़क किनारे या सार्वजनिक स्थानों पर वस्तुएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इनमें सब्जी एवं फल विक्रेता, चाय, नाश्ता एवं फास्ट फूड विक्रेता, पान दुकान संचालक, कपड़ा एवं रेडीमेड वस्त्र विक्रेता, जूता-चप्पल विक्रेता, किताब एवं स्टेशनरी विक्रेता, फूल एवं पूजा सामग्री विक्रेता, मोबाइल एक्सेसरीज विक्रेता, नाई, मोची, लॉन्ड्री जैसी सेवाएं देने वाले स्वरोजगारी, जैसे अनेक छोटे व्यवसाय शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में योजना का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़ और धमतरी जैसे जिलों में हजारों पथ विक्रेताओं को ऋण सहायता प्रदान की गई है। राज्य स्तर पर 267.22 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि के विरुद्ध 256.94 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया जा चुका है, जिससे 1.12 लाख से अधिक हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का कहना है कि पीएम स्वनिधि योजना केवल ऋण वितरण कार्यक्रम नहीं है।

जिले के संबल केन्द्र बना दिव्यांगों के लिए संबल...

- केन्द्र में हुई रघतनराम के ट्रायसिकल की नि:शुल्क मरम्मत
- दैनिक आवागमन की परेशानी हुई दूर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दिव्यांग गैरेजे के अंतर्गत संबल केन्द्र आज दिव्यांगों की आवाजाही की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। श्री रघतनराम ध्रुव जो अपने आवागमन के लिए पूर्णत: बैटरी चालित ट्रायसिकल पर निर्भर हैं, ट्रायसिकल के खराब होने पर संबल केन्द्र में नि:शुल्क मरम्मत होने से अत्यत खुश हैं। आवागमन में होने वाली समस्याओं से उन्हें राहत मिली तथा वे अपने दैनिक कार्य आसानी से कर पा रहे हैं। ध्रुव बीरगांव के निवासी हैं एवं अपनी दैनिक आवागमन एवं आवश्यकताओं के लिए बैटरी चालित ट्रायसिकल का उपयोग करते हैं। ट्रायसिकल के खराब होने पर उन्हें आने-जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था, जिससे उनका दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहा था। इस दौरान उन्हें समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संबल केन्द्र की जानकारी प्राप्त हुई जहां दिव्यांगजनों के सहायक उपकरण की नि:शुल्क मरम्मत की जाती है। केन्द्र में उनके ट्रायसिकल की जांच की गई, जिसमें चार्जर सॉकेट एवं वायरिंग में खराबी पाई गई। तकनीकी कर्मचारियों द्वारा सभी खराबियों की मरम्मत की गई जिससे ट्रायसिकल सुचारू रूप से चलने लगी। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर 2025 को वृद्धजन दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने घोषणा की थी कि रायपुर जिले में प्रदेश के दिव्यांगजनों को सुविधाएं प्रदान करने हेतु संबल केन्द्र की स्थापना की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में कार्य प्रारंभ हुआ एवं 3 दिसंबर 2025 को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी द्वारा संबल केन्द्र का शुभारंभ किया गया।

कचरे से कमाई का रास्ता कोलिहापुरी बना ग्रामीण विकास का नया केंद्र.....

रायपुर/ संवाददाता

जिस प्लास्टिक कचरे को आमतौर पर पर्यावरण के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जाता है, उसी कचरे को दुर्ग जिले के एक गांव ने आय और रोजगार का साधन बना दिया है। ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में स्थापित जिले का पहला मटेरियल रिकवरी सेंटर (एमआरसी) आज 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल की ऐसी मिसाल बन चुका है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रहा है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में विकसित यह केंद्र अब केवल कचरा संग्रहण और निपटान तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले के 381 गांवों से निकलने वाले प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन का प्रमुख केंद्र बन गया है। यहां प्रतिदिन लगभग 150 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे का प्रसंस्करण किया जाता है। आधुनिक मशीनों की मदद से प्लास्टिक को पिघलाकर 'लम्प्स' तैयार किए जाते हैं, जिन्हें निर्माण क्षेत्र की कंपनियों को बेचा जाता है। इस पहल की खास बात यह है कि यह परियोजना अब आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ चुकी है। संचालन, बिजली, रखरखाव और श्रमिकों के मानदेय का भुगतान करने के बाद भी केंद्र को हर महीने लगभग 15 हजार रुपये का शुद्ध लाभ हो रहा है। कचरा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए डीएमएफ मद से उपलब्ध कराए गए चार जीपीएस युक्त ई-रिक्शा गांवों से प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र कर रहे हैं। इनकी निगरानी सीधे कंट्रोल रूम से की जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया रियल टाइम में मॉनिटर होती है। यह मॉडल रोजगार सृजन का भी माध्यम बना है। निजी भागीदारी के तहत स्थानीय लोगों को काम मिला है, जबकि श्रमिकों को मनरेगा दरों के अनुरूप मजदूरी और बीमा सुरक्षा भी प्रदान की जा रही है। इतना ही नहीं, केंद्र के लाभ का एक हिस्सा ग्राम पंचायत और स्व-सहायता समूहों को भी दिया जा रहा है।

माओवाद के साए से विकास की राह पर बढ़ रहा बोड़गा....पहली बार पहुंचे कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ, योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ पर दिया जोर

उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर ठेकेदार को नोटिस जारी

निरीक्षण के दौरान काम की धीमी प्रगति पर जताई थी नाराजगी.....

- श्री साव ने विगत दिनों किरंदुल-विशाखापट्टनम रेलवे लाइन पर बन रहे ओवरब्रिज की देखी थी प्रगति

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की धीमी प्रगति पर ठेकेदार को नोटिस जारी किया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान 6 जून को राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर केशलूर-जगदलपुर मार्ग में किरंदुल-विशाखापट्टनम रेलवे लाइन के ऊपर बन रहे फेरलेन रेलवे ओवरब्रिज का निरीक्षण किया था। उन्होंने निरीक्षण के दौरान काम के पिछड़ने एवं लेट-लतीफी पर ठेकेदार और अधिकारियों को फटकार लगाई थी। उन्होंने अनुबंध के अनुसार कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर गहरी नाराजगी जताते हुए ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए थे। बस्तर जिले में केशलूर के पास 69 करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता ने निर्माण एजेंसी मेसर्स अशोक कुमार मित्तल को जारी नोटिस में कहा है कि साइट उपलब्ध होने के बावजूद मैन-पॉवर, मटेरियल और मशीनरी की खराब व्यवस्था के कारण अलग-अलग चरणों में निर्माण के समयबद्ध लक्ष्यों को हासिल नहीं किया जा सका है।

चरित्र शंका में युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कोटा थाना क्षेत्र में चरित्र शंका को लेकर एक युवक की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने पहले युवक की आंखों में मिर्च पाउडर डाला, फिर मारपीट कर बड़े पत्थर से उसका सिर कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 4 जून 2026 को प्रार्थी आलोक सिंह अपने साथी यशु पोर्ते और निखिल गोस्वामी के साथ होटल फेर सीजन के पास कच्चे मार्ग पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों में सवार चार युवक वहां पहुंचे। आरोपियों ने पहले निखिल गोस्वामी को घेर लिया। मुख्य आरोपी दीपक दास उर्फ भोला ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया, जिसके बाद सभी आरोपियों ने मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। घटना की सूचना डायल-112 को दी गई। मौके पर पहुंचने पर निखिल गोस्वामी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। आरोपियों ने बड़े पत्थर से उसका सिर कुचल दिया था।

माओवाद के साए से विकास की राह पर बढ़ रहा बोड़गा....

- पहली बार पहुंचे कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ, योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ पर दिया जोर

रायपुर/ संवाददाता

कभी माओवाद प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाला बीजापुर जिले के ग्राम पंचायत ईतामपार का आश्रित ग्राम बोड़गा अब विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। जिले के कलेक्टर श्री विश्वदीप और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता चौबे ने पहली बार गांव पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं तथा विकास संबंधी जरूरतों की जानकारी ली। गांव में आयोजित बस्तर मुन्ने शिविर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सैचुरेशन अभियान की समीक्षा की। शिविर में शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत और राजस्व विभाग की टीमों ने पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक उपचार और परामर्श भी दिया गया। कलेक्टर ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ने और शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर के रजिस्टर और गतिविधियों का अवलोकन कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

हमने बनाया है हम ही संवारेंगे

बीते ढाई साल में पूरे हुए 10.60 लाख पीएम ग्रामीण आवास

- देश में रोज सबसे अधिक संख्या में आवास पूरे कर रहा छत्तीसगढ़
- वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ ने देश में सर्वाधिक 6 लाख आवासों के निर्माण पूर्ण किए
- संकल्प से सिद्धि तक... पहली कैबिनेट का संकल्प तेजी से हो रहा पूरा

रायपुर/ संवाददाता

'हमने बनाया है हम ही संवारेंगे' के सूत्र वाक्य के साथ छत्तीसगढ़ के चहुंमुखी विकास में लगी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार अपनी पहली कैबिनेट के संकल्प को तेजी से पूरा करने में लगी है। राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पिछले ढाई वर्षों में 10 लाख 60 हजार आवासों के निर्माण पूर्ण किए गए हैं। बीते वित्तीय वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ ने देश में सबसे अधिक 6 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए हैं। प्रतिदिन पूर्ण किए जा रहे आवासों की संख्या में भी छत्तीसगढ़ देश में शीर्ष स्थान पर है। राज्य में अभी रोज 1600 से अधिक मकानों के निर्माण पूरे किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य की कमान संभालने के अगले ही दिन मंत्रालय में अपनी कैबिनेट की पहली बैठक में गरीबों के लिए 18 लाख आवासों के निर्माण का संकल्प लिया था। राज्य शासन अपने इस संकल्प को तेजी से पूरा करने में लगी है। सरकार ने उस वक्त जिन 18 लाख 12 हजार 742 आवासों के निर्माण का संकल्प लिया था, उनमें 2 लाख 46 हजार 215 अपूर्ण आवास, वर्ष 2011 की स्थायी प्रतीक्षा सूची के 6 लाख 33 हजार 438 आवास, आवास प्लस की सूची के सभी 8 लाख 19 हजार 999 आवास और मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण आवास न्याय योजना) के सभी 47 हजार 090 आवास शामिल थे। सरकार इनके साथ ही वनांचलों में पीएम जनमन योजना के 33 हजार 601 और नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में विशेष परियोजना के तहत 15 हजार अतिरिक्त आवास भी बना रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विकास ने आवास प्लस 2.0-2024 के अंतर्गत ऐसे गरीब जिनके आवास कच्चे हैं, उनका सर्वे किया है। उनके लिए भी आवास निर्माण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने पहले दिन से ही 18 लाख आवासों के निर्माण के संकल्प को पूरा करने पूरी गंभीरता, सक्रियता और प्रतिबद्धता से काम करना शुरू कर दिया था। इन आवासों को तेजी से पूरा कर गरीबों के पक्के मकान के सपनों को साकार करने सरकार ने 26 हजार 908 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पिछली सरकार से विरासत में मिले अपूर्ण मकानों के साथ ही जरूरतमंदों के लिए तेजी से नए आवास स्वीकृत कर युद्ध स्तर पर उन्हें पूरा किया है। सरकार अपने इस संकल्प को पूरा करने किस रफ्तार से काम कर रही है, इसका प्रमाण है कि पिछले वर्ष (2025 में) अप्रैल से अक्टूबर तक राज्य में प्रतिदिन करीब 2000 आवासों के निर्माण पूर्ण किए गए हैं।

संपादकीय

मणिपुर- शांति के दावों के बीच कायम संकट

मणिपुर बीते तीन साल से भी अधिक समय से जातीय हिंसा का दंश झेल रहा है, जिसकी वजह से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।मणिपुर में सरकार के तमाम दावों के बावजूद हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। सामुदायिक संघर्ष, उग्रवादी संगठनों की बढ़ती सक्रियता और सुरक्षाबलों की उदासीनता से राज्य में कानून-व्यवस्था फिर से पटरी से उतरती प्रतीत हो रही है। ऐसे में शांति कायम करने की दिशा में राजनीतिक इच्छाशक्ति, गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव भी साफ नजर आता है।यही वजह है कि राज्य में उग्रवादियों के लक्षित हमले, आमजन को बंधक बनाने, निर्दोष लोगों की हत्या करने, आगजनी और इन वारदातों के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। शुक्रवार को भी कांगपोकपी जिले में एक गांव पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और गोलीबारी में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सवाल है कि आखिर हिंसा की यह चिंगारी अंदर ही अंदर क्यों सुलगती जा रही है? दरअसल, यह सिर्फ कानून-व्यवस्था की ही समस्या नहीं है, बल्कि आम लोगों में पनप रहा अविश्वास और असुरक्षा की भावना भी इसकी बड़ी वजह है।गौरतलब है कि मणिपुर बीते तीन साल से भी अधिक समय से जातीय हिंसा का दंश झेल रहा है, जिसकी वजह से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। इस बीच राज्य और केंद्र सरकारों की ओर से हालात पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए गए, लेकिन अपेक्षित नतीजे सामने नहीं आए।हालांकि, पिछले कुछ समय में राज्य में हिंसक घटनाओं में कमी देखी गई, लेकिन इन पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। राज्य सरकार का दावा है कि हिंसक वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर लोग सड़कों पर प्रदर्शन करते नजर आते हैं।यह बात सच है कि केवल सामाजिक मतभेद इतने लंबे समय तक हिंसा को जीवित नहीं रख सकते। असली समस्या तब पैदा होती है जब लोगों का सरकार और प्रशासन पर भरोसा टूटने लगता है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि राज्य में उग्रवादी समूहों पर कड़ी नजर रखी जाए, हिंसक घटनाओं में तत्काल कार्रवाई की जाए और आपसी मतभेदों को दूर करने के लिए सरकार स्थायी समाधान तलाशने का प्रयास करे।

सत्ता के लालच में हाशिये के बाहर पहुंच चुके आदर्श आज अपनी बेबसी पर जार-जार रो रहे हैं। मृगमारीचिका के पीछे छुपे वर्चस्व वाले अहंकारी लक्ष्य को प्राप्त करने की होड में अब देशों, प्रदेशों, सम्प्रदायों, जातियों, नस्लों, क्षेत्रों आदि के मध्य जंग छिड चुकी है। चारों ओर अस्थिरता, असुरक्षा और अशान्ति का वातावरण निर्मित हो चुका है। इस दौर को लेकर भविष्यवक्ताओं ने बहुत पहले ही सचेत कर दिया था। उन्नीसवीं सदी में ही अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य ने इक्कीसवीं सदी को उज्जवल भविष्य के रूप में रेखांकित करते हुए आने वाले झंझावातों की पहले से ही चेतावनी दे दी थी। पराविज्ञान की चरमसीमा पर पहुंच चुके देवऋषियों के अनुसंधानों को जीवन में उतारने की पर बल दिया था। हम बदलेंगे, युग बदलेगा का नारा दिया था।

समूचे संसार को निगलता अहंकार का दावानल

हम बदलेंगे, युग बदलेगा का नारा दिया था। जय गुरुदेव, सतयुग आयेगा का जयघोष करने वाले संत ने भी उपचाररहित बीमारियों के फैलने, अन्न के लिए तरसने, शाकाहार लेने जैसी अनेक घोषणायें की थीं। बीमारियों वाली घोषणा ने कोरोना काल में अपनी उपस्थित दर्ज करवा दी थी।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश - दुनिया के सामने अस्थिरता का परिदृश्य नित नये रंग दिखा रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश के सामने अमेरिका जैसी महाशक्ति का घुटने टेकने की स्थिति का निर्मित होना, पाकिस्तान द्वारा परमाणु हथियारों की धमकी देना, डीप स्टेट के षडयंत्र से अनेक देशों में सत्ता परिवर्तन होना, बढती आबादी के मध्य आर्थिक मंदी का दौर लाना, पर्यावरण की कीमत पर भौतिक सुविधायें जुटाना, निजी स्वार्थों के लिए राष्ट्रहितों को तिलांजलि देना, नियम-कानून-कायदों पर शक्तिशालियों का पूरी तरह कब्जा होना, आतंक के सहारे साम्राज्य स्थापित करना, मानव पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का हावी होना, अकर्मण्यता का बोलबाला होना, तुष्टीकरण की तलवार से प्रतिभाओं को मौथला करना जैसे अनेक बिन्दु समूचे संसार में दावानल की तरह विकराल होते जा रहे हैं। सत्ता के लालच में हाशिये के बाहर पहुंच चुके आदर्श आज अपनी बेबसी पर जार-जार रो रहे हैं। मृगमारीचिका के पीछे छुपे वर्चस्व वाले अहंकारी लक्ष्य को प्राप्त करने की होड में अब देशों, प्रदेशों, सम्प्रदायों, जातियों, नस्लों, क्षेत्रों आदि के मध्य जंग छिड चुकी है। चारों ओर अस्थिरता, असुरक्षा और अशान्ति का वातावरण निर्मित हो चुका है। इस दौर को लेकर भविष्यवक्ताओं ने बहुत पहले ही सचेत कर दिया था। उन्नीसवीं सदी में ही अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य ने इक्कीसवीं सदी को उज्जवल भविष्य के रूप में रेखांकित करते हुए आने वाले झंझावातों की पहले से ही चेतावनी दे दी थी।

पराविज्ञान की चरमसीमा पर पहुंच चुके देवऋषियों के अनुसंधानों को जीवन में उतारने की पर बल दिया था।

हम बदलेंगे, युग बदलेगा का नारा दिया था। जय गुरुदेव, सतयुग आयेगा का जयघोष करने वाले संत ने भी उपचाररहित बीमारियों के फैलने, अन्न के लिए तरसने, शाकाहार लेने जैसी अनेक घोषणायें की थीं।

बीमारियों वाली घोषणा ने कोरोना काल में अपनी उपस्थित दर्ज करवा दी थी। ऐसे ही जनसंख्या के अनियंत्रित विस्तार पर खाद्यान्न की किल्लत, मांसाहार के दुष्प्रभाव आदि को भी समझा जा सकता है। लगभग छः सौ वर्ष पूर्व हमारे ही देश के उडीसा राज्य के महान संत स्वामी अच्युतानन्द दास ने भविष्य मालिका नामक ग्रन्थ में देश के वर्तमान हालातों को पूर्व में ही लिख दिया था। उडिया भाषा में लिखे गये शब्दों की सार्थकता अब शतप्रतिशत सत्य होती दिख रही है। उन्होंने वैश्विक परिस्थितियों से लेकर भारतवर्ष का अपने ही अलग हुए हिस्से के साथ विकराल युद्ध की स्थितियों तक को विवेचित किया है।

तेल के खेल और धन के बल जैसी व्याख्यायें भी इसी ग्रन्थ में उल्लेखित है। प्रकृति के विनाशकारी परिवर्तन से आने वाली आपदाओं की संख्या में अप्रत्याशित बढोत्तरी होने, कृत्रिम विषाणुओं को हथियार बनाकर शत्रुओं पर प्रहार करने, वैश्विक सिद्धान्तों-आदर्शों-मान्यताओं पर स्वार्थ का कब्जा होने तथा दैत्यों के आतंक से जनमानस के पीडित होने जैसी अनेक घटनाओं का उडिया ग्रन्थ में उल्लेख मिलता है। भविष्य मालिका में लिखा है कि भारत से एक आध्यात्मिक शक्ति का उदय होगा जो पूरी दुनिया में शांति स्थापित करेगी। इसी तरह बुल्गारिया देश की निवासिनी बाबा वेंगा की 12 वर्ष में तूफानी चपेट के कारण नेत्रों की रोशनी चली जाने के बाद उन्हें भविष्य देख पाने की रहस्यमयी शक्ति का अचानक अनुभव हुआ था। यद्यपि उन्होंने स्पष्ट भविष्यवाणियां नहीं की थी परन्तु संकेतों में व्यक्त की गई भावी घटनायें अतीत में सत्य प्रमाणित होती चली गईं। वर्तमान स्थितियों को लेकर संघर्षात्मक संकेत, रक्तरंजित क्रान्ति, आतंकी गतिविधियों, वैश्विक मंदी सहित सूक्ष्म के द्वारा विशाल के सामने डटे रहने जैसी व्याख्यायें उनकी रचनाओं में स्पष्ट रूप प्रस्तुत की गई हैं। उन्होंने राजनैतिक अस्थिरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शक्तियों के टकराव, दो भागों में विभाजित होती दुनिया में छिडने वाले तीसरे विश्वयुद्ध का भयावह शब्द चित्र खींचा है। एलियंस की ओर संकेत करते हुए अंतरिक्ष से किसी अज्ञात वस्तु या सभ्यता का पृथ्वी के साथ सम्पर्क स्थापित करने की घटना का उल्लेख करने वाली बाबा वेंगा ने सनातनी सूर्य के प्रकाश से आलौकित होती धरा पर प्रेम की वर्षा जैसे वर्णन करके अनेक संभावनायें व्यक्त की हैं। फ्रांस के भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों को अपनी किताब लेस प्रोफेटीज में लघु कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया है जिसमें सात जहाजों के आसपास युद्ध, एक महान व्यक्ति पर बिजली गिरेगी, अचानक प्राकृतिक आपदाओं आदि का काव्यमय चित्रण किया गया है।

जलीय युद्ध, दूरदराज से युद्ध, वर्चस्व का युद्ध, स्वार्थ का युद्ध, लालच का युद्ध, अहंकार का युद्ध, आतंक का युद्ध जैसी स्थितियां ही सात जहाजों की व्याख्या करती दिखतीं हैं। एक महान व्यक्ति पर बिजली गिरेगी की विवेचना को राजनैतिक हत्या, नेतृत्व पर जुल्म, पलायन की मजबूरी, भय का माहौल, सत्ता परिवर्तन, तख्ता पलट आदि के रूप में स्वीकारा जा रहा है। उन्होंने दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के कारण आ रही प्राकृतिक आपदाओं पर भी लघु कवितायें लिखीं हैं।

अनेक ज्योतिषाचार्यों ने भी विश्व कुण्डली की ग्रह दशा के आधार पर विश्वयुद्ध की प्रबल संभावना व्यक्त की हैं। भविष्यवाणियों के सभी कारकों के साथ कदमताल करती वर्तमान स्थितियां भयावह भविष्य का भाष्य कर रहीं हैं जिसके उपचार हेतु युग निर्माण योजना के विचार क्रान्ति अभियान का हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा वाला नारा प्रत्येक नागरिक को स्वीकारना पडेगा। तभी स्वयं के परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन की स्थितियां निर्मित हो सकेंगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

हर कहानी का अंत एक कुर्सी पर, राजनीति का यही असली खेल है

(सुधीश पचौरी)

दुनिया में हर एक की नजर दूसरे की कुर्सी पर। जैसे सिपाही की नजर थानेदार की कुर्सी पर... कि बाबू की नजर अफसर की कुर्सी पर... जैसे कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री की नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर..! जिस पर किसी की नजर नहीं, वह कुर्सी बेमानी है।एक महोदय उवाच- मैं उस देश में रहने पर शर्मिंदा हूं, जहां शासक दल जनतंत्र को खत्म करने पर तुला हुआ है। फिर एक भविष्यवक्ता महोदय

कहिन- एक साल बाद ये सरकार गिर जाएगी। लेकिन गिरी तो तृणमूल कांग्रेस गिरी! खबर आई कि तृणमूल कांग्रेस के ऋाव्रत बनर्जी के नेतृत्व में अड्डवन विधायक एक 'नई तृणमूल कांग्रेस' बनाने जा रहे हैं। वे अध्यक्ष को पत्र दे रहे हैं और अपने को असली तृणमूल कांग्रेस बता रहे हैं। फिर तमिलनाडु के भाजपा के नेता खबर बनाने लगते हैं कि वे भाजपा से अलग पार्टी बनाने वाले हैं। फिर वे दिल्ली आकर भाजपा नेताओं से मिलते हैं। मीडिया उछालता है कि वे अलग पार्टी बनाने वाले हैं। फिर कई दिन बाद खबर आती है कि वे भाजपा से अलग हो रहे हैं। यहां भी वही कि 'एक कुर्सी की नजर दूसरे की कुर्सी पर'। फिर एक चैनल ईद के दिन वाले कुछ वीडियो दिखाने लगता है, जिनमें कुछ युवक एक अन्य युवक को बुलाते हैं कि बकरा कैसे कटता है, वह इसे आकर देखे। जब वह बकरे का कटना देखने से आनाकानी करता है, तो बाकी युवक चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर देते हैं। हत्या के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ती दिखती है। फिर एक दिन खबर आती है कि हत्या का आरोपी मुठभेड़ में मारा गया। एक चर्चा में एक प्रवक्ता अपनी चिंता प्रकट करती है कि इन युवाओं में इतनी हिंसा क्यों बढ़ रही है!

इसी बीच पटना के दो कोचिंग सेंटर के मालिकों के टकराव की कहानी विद्यार्थियों के टकराव में बदल जाती है। गोलियां चलती हैं, पत्थरबाजी होने लगती है। पुलिस कार्रवाई करती है। कुछ उपद्रवियों को गिरफ्तार करती है। इन एक कोचिंग सेंटर के संचालक पड़ोस के दूसरे कोचिंग सेंटर पर आरोप लगाते हैं कि वहां से गोली चलवाई गई है, लेकिन दो दिन बाद एक खबर आती है कि गोली दूसरे कोचिंग वाले ने नहीं चलाई, बल्कि आरोपकर्ता के सुरक्षा कर्मियों से चलवाई गई है।

कोचिंग कारोबार और परीक्षा घोटालों का कनेक्शन- सच क्या है, यह सब तो जांच से ही सामने आ सकता है, लेकिन इस एक घटना से साफ है कि पेपर लीक मामले में कोचिंग सेंटरों का हाथ होता है। हर बार की 'पेपर लीक' कोचिंग केंद्रों की ओर इशारा तो करती है, लेकिन कोई इन पर हाथ नहीं डालता, क्योंकि इनके पीछे करोड़ों का कारोबार खड़ा है, जिसके पीछे कोचिंग माफिया खड़ा रहता है। इसीलिए इनको बंद नहीं किया जाता है।

इसी बीच मालवीय नगर के एक होटल-सह-रेस्तरां में आग लग जाती है और इक्कीस लोगों की जान चली जाती है। गद्दे की दुकान वाला पड़ोसी अपने गद्दे लगा देता है, जिन पर कूदकर कुछ लोग जान बचा पाते हैं।

नीट यूजी-कब थमेगा सपनों का यह कत्ल? सरकारी व्यवस्था से हार रहे हैं बच्चे

कुछ समय पहले नीट परीक्षा को प्रश्नपत्र लीक की चर्चा के बीच रद्द किया गया। अब इसकी जांच सीबीआई कर रही है। तकलीफदेह है कि प्रश्नपत्र लीक होने के अधिकतर मामले जांच-पड़ताल तक ही सिमट कर रह जाते हैं। जबकि ऐसी घटनाएं पहले से ही गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में भविष्य बनाने के लिए जद्दोजहद कर रहे बच्चों के श्रम और उनकी प्रतिबद्धता पर पानी फेर देती हैं।

(मोनिका शर्मा)

पेपर लीक के कारण फिर से परीक्षा होने की स्थिति में अभ्यर्थियों को दोबारा तैयारी के लिए मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है। परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई के लिए कई परिवारों में गहने और जमीन तक बिक जाती है।

केंद्रीय परीक्षा नीट-यूजी 2026 का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद यह पीड़ादायक है कि देश के किसी न किसी हिस्से से अब भी बच्चों के जीवन से हारने की खबरें आनी जारी हैं। हमारे देश में प्रतियोगी परीक्षाएं जीवन संवारने की एक उम्मीद होती हैं। आशाओं का एक ऐसा द्वार, जिसे पार कर अच्छा भविष्य बनाने के लिए हर वर्ष लाखों बच्चे और उनके स्वजन तपस्या की तरह तैयारी में जुट जाते हैं। यही वजह है कि इन इम्तिहानों का निरस्त होना सीधे-सीधे उनके सपनों पर कुठाराघात होता है। इन घटनाओं के कारण वर्षों की श्रमशील दिनचर्या व्यवस्था की लचरता की भेंट चढ़ जाती है, जिसके चलते बच्चे भावी जीवन से जुड़ी अनिश्चितता, मानसिक अवसाद और सपनों के बिखरने की पीड़ा से जूझते हैं।

कुछ समय पहले नीट परीक्षा को प्रश्नपत्र लीक की चर्चा के बीच रद्द किया गया। अब इसकी जांच सीबीआई कर रही है। तकलीफदेह है कि प्रश्नपत्र लीक होने के अधिकतर मामले जांच-पड़ताल तक ही सिमट कर रह जाते हैं। जबकि ऐसी घटनाएं पहले से ही गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में भविष्य बनाने के लिए जद्दोजहद कर रहे बच्चों के श्रम और उनकी प्रतिबद्धता पर पानी फेर देती हैं।

इस बार भी एनटीए के इस फैसले के बाद करीब बाईस लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी होगी। कई बच्चों की आत्महत्या की खबरों के बीच बहुत से बच्चों द्वारा आक्रोश जताने वाले विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों ने भी बच्चों की पढ़ाई से जुड़े संघर्ष और हालात का हवाला दिया। स्पष्ट है कि पूरे समाज को निराशा और अविश्वास की ओर धकेलने वाले ऐसे वाकये चिंतनीय हैं और हमारी अकादमिक व्यवस्था से भरोसा कम करने वाले हैं।

असल में प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं को केवल अभ्यर्थियों की समस्या के तौर पर नहीं देखा जा सकता। व्यवस्थागत मोर्चे पर बड़ी खामी को उजागर करने वाली ये घटनाएं अभ्यर्थी के पूरे परिवार को आघात पहुंचाती हैं। देश के आम परिवार के लिए ये मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक मोर्चे पर पीड़ादायी होती हैं। निराश होकर बच्चों के जीवन से मुंह मोड़ लेने वाले मामलों की तो कोई क्षतिपूर्ति ही नहीं हो सकती। दुखद है कि नीट परीक्षा निरस्त होने के बाद ऐसे कई दुर्भाग्यपूर्ण मामले भी सामने आए।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले में नीट की तैयारी कर रहे बाईस वर्षीय छात्र ने परीक्षा रद्द होने और पेपर लीक विवाद से आहत होकर अपनी जान दे दी। अभ्यर्थी के पिता के मुताबिक, बहुत अच्छा पेपर होने और अच्छे अंक आने की उम्मीद को लगी ठेस के चलते उसने ऐसा कदम उठाया। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में जीवन से हार मान लेने वाले इक्कीस वर्षीय छात्र के परिवार का कहना है कि वह अपने तीसरे प्रयास में डॉक्टर बनने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त था, लेकिन परीक्षा खारिज होने के समाचार ने उसका मनोबल तोड़ दिया। दिल्ली के आजादपुर में आत्महत्या करने वाली बीस वर्षीय छात्रा के परिजनों ने बताया कि परीक्षा रद्द होने के बाद वह मानसिक अवसाद में चली गई थी।

कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के कई बच्चे भारी मुश्किलों में करते हैं तैयारी

समझना कठिन नहीं है कि यह संसाधनों का ही नहीं, अनमोल मानवीय जीवन का भी नुकसान है। कितने ही बच्चों और उनके स्वजनों के सपने अनिश्चितता के घेरे में आ जाते हैं। नीट यूजी-2026 निरस्त होने से देशभर में अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। यह स्थिति लाखों युवाओं और उनके परिवारों के संघर्षों पर आघात करने वाली है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले कई बच्चे अनगिनत मुश्किलों से जूझकर ऐसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।

अधिकतर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की शुल्क राशि आम परिवारों के लिए बड़ा बोझ होती है। दूरदराज के इलाकों से आने वाले गरीब घरों में तो अभिभावकों को बच्चों के घर से दूर रहने और कोचिंग के खर्च के लिए कर्ज तक लेना पड़ जाता है। मध्यवर्गीय परिवार हर मोर्चे पर जूझकर अपने बच्चों के सपनों को साकार करने का अवसर देते हैं। कम से कम संसाधनों में तैयारी करने वाले बहुत से बच्चों के पास सही समय पर पौष्टिक भोजन लेने और पर्याप्त आराम करने की व्यवस्था भी नहीं होती। कितने ही बच्चे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य समस्याओं के दुश्चक्र में फंस जाते हैं। इसी वजह से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान भी बच्चों की आत्महत्या के मामले सामने आते रहते हैं।

इसके अलावा, पेपर लीक के कारण फिर से परीक्षा होने की स्थिति में अभ्यर्थियों को दोबारा तैयारी के लिए मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है। परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई के लिए कई परिवारों में गहने और जमीन तक बिक जाती है। गांवों-कस्बों से बार-बार परीक्षा देने आने के लिए भी खर्च करना पड़ता है।

यही वजह है कि इन वाकयों के कारण मेहनत के बल पर अपने सपने पूरे करने का मार्ग चुनने वाले योग्य उम्मीदवार और उनके अपने ठगा-सा महसूस करते हैं। इस स्थिति में किसी एक परिवार में ही नहीं, पूरे समाज में निराशा फैलती है। ऐसे में परीक्षा लेने के तरीके में बदलाव और व्यवस्थागत सख्ती जरूरी है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में प्रश्नपत्र लीक को लेकर सख्त कानून होने के बावजूद परीक्षाओं की निष्पक्षता, गोपनीयता और पारदर्शिता सवालों के घेरे में है। बच्चों को हताशा ही नहीं, जान देने वाले हालात तक ले जाने वाली घटनाएं रुक नहीं पा रही हैं।

एनएच-30 केशकाल में भीषण सड़क हादसा, ट्रेलर से टकराई अनियंत्रित हाइवा, शहर में लगा मेगा जाम

केशकाल। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर केशकाल नगर में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। गिरीदीप स्कूल के पास सड़क किनारे भारी लोहे का सामान लेकर खड़ी एक ट्रेलर में तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों को नुकसान पहुंचा और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद हाइवा चालक मौके से फरार हो गया। वहीं ट्रेलर चालक को मामूली चोटें आई हैं, जिसे प्राथमिक उपचार दिया गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया, जिससे केशकाल नगर में लंबा जाम लग गया। दोनों ओर वाहनों की कतारें लगने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि पिछले 48 घंटे से केशकाल घाटी एवं एनएच-30 पर लगातार रुक-रुककर जाम की स्थिति बनी हुई है। भारी वाहनों की आवाजाही, सड़क पर खराब वाहनों के खड़े हो जाने तथा बढ़ते यातायात दबाव के कारण बार-बार यातायात प्रभावित हो रहा है। लगातार बन रही यह स्थिति अब पुलिस और प्रशासन के लिए भी बड़ी चुनौती बन चुकी है, जिन्हें यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार मशक्कत करनी पड़ रही है। सूचना मिलते ही केशकाल एसडीओपी अरुण नेताम स्वयं अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम फिलहाल यातायात व्यवस्था संभालते हुए आवागमन बहाल कराने में जुट गई। पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की कार्रवाई की गई, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य होने लगा। लगातार हो रहे सड़क हादसों और जाम की घटनाओं को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर नियंत्रण तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

तीलियाबेड़ा बेदखली मामला गरमाया, भीम आर्मी ने जांच और मुआवजे की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। मालगांव के आश्रित ग्राम तीलिया बेड़ा में हाल ही में हुई वन भूमि बेदखली कार्रवाई को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। शनिवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन के नेतृत्व में प्रभावित आदिवासी परिवारों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्च स्तरीय जांच, पुनर्वास, मुआवजा और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। संगठन ने प्रशासन को सात दिनों के भीतर कार्रवाई करने का अल्टीमेटम भी दिया है। गौरतलब है कि वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मालगांव के साल वन क्षेत्र में आरक्षित वन भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की थी। विभाग के अनुसार लगभग 35 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि पर अवैध कब्जा कर खेती एवं अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। नोटिस जारी करने और निर्धारित समय देने के बाद जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण हटाया गया था। अधिकारियों ने बताया था कि प्रभावित क्षेत्र में कई मकान भी बने हुए थे। अब इस कार्रवाई से प्रभावित परिवारों की ओर से आरोप लगाया गया है कि उनके मकानों को बिना ग्राम पंचायत प्रस्ताव और उचित प्रक्रिया के तोड़ा गया, जिससे वे वर्षा ऋतु में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि कार्रवाई के बाद परिवारों के सामने आवास, भोजन और सुरक्षा का संकट उत्पन्न हो गया है। प्रभावित ग्रामीण बजरंग नेताम ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा उनके घर, मेड़ और जल स्रोत को नुकसान पहुंचाया गया। वहीं भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष हेमसिंह मौर्य ने कहा कि संगठन की टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में अन्य लोगों के मकान होने के बावजूद चुनिंदा परिवारों के खिलाफ कार्रवाई की गई। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बस्तर जिला अध्यक्ष रमेश गोल ने भी प्रभावित परिवारों का समर्थन करते हुए कहा कि यदि पीड़ितों को न्याय और पुनर्वास नहीं मिला तो आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्रवाई से आदिवासी और किसान परिवारों के अधिकार प्रभावित हुए हैं। ज्ञापन में प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री, अस्थायी आवास, स्थायी पुनर्वास और प्रति परिवार 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की गई है। साथ ही कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर वैधानिक कार्रवाई करने की भी मांग उठाई गई है।

उल्लेखनीय है कि वन विभाग का पक्ष पहले ही सामने आ चुका है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार संबंधित भूमि आरक्षित वन क्षेत्र है, जहां बिना वैध वनाधिकार पत्र के कब्जा और खेती की जा रही थी। विभाग का कहना है कि नियमानुसार नोटिस जारी करने और समय देने के बाद ही संयुक्त कार्रवाई की गई थी। फिलहाल मामले को लेकर प्रशासन के समक्ष दोनों पक्षों के दावे मौजूद हैं। आगामी दिनों में प्रशासन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

बैलाडीला ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन की लगातार तीसरे दिन भी हड़ताल जारी

किरंदुल। किरन्दुल रिंग रोड नम्बर 04 में बैलाडीला ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन की हड़ताल लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। ड्राइवरों में आक्रोश देखा जा रहा है क्योंकि तीन दिन बीत जाने के बाद भी उनकी मांगें अभी तक पूरी नहीं की गई हैं। ड्राइवर संगठन के सदस्य पिछले तीन दिनों से सभी कामकाज छोड़कर रिंग रोड नंबर-4 स्थित संगठन कार्यालय के सामने धरना दे रहे हैं। हड़ताल के कारण एनएमडीसी किरंदुल, एनएमडीसी बचेली तथा आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड (कड़मपाल) के लोडिंग कार्य पूरी तरह बंद पड़े हैंइससे प्राइवेट ठेकेदारों सहित पूरे क्षेत्र का परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई है। बचेली अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) की उपस्थिति में बैठक हुई। एसडीएम की समझाइश पर ड्राइवर यूनियन के अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने एक रैक (रेक नंबर-13) खाली करने की सहमति दे दी। यूनियन ने स्पष्ट किया कि केवल यही एक रैक खाली की जाएगी। इसके बाद यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो हड़ताल जारी रहेगी। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्धारित वेतनमान के अनुसार 1038 रु प्रतिदिन, प्रति घंटा ओवरटाइम 200 रु, पीएफ, बीमा और बोनस की सुविधा उपलब्ध कराने की प्रमुख मांग रखीं गई है। ड्राइवर यूनियन का कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जाती, तब तक हड़ताल चलेगी। फिलहाल बीटीओए की कटी हुई पर्चियों वाले वाहनों और बची हुई रैक को खाली करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हड़ताल अभी भी जारी। आगे की स्थिति आने वाले समय में स्पष्ट होगी।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के द्वारा निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर 41 युवकों का अग्निवीर में हुआ चयन

कोण्डागांव। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के 41 युवकों का अग्निवीर में चयनित होने पर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व सैनिकों के द्वारा कोंडागांव ब्लॉक, बडेराजपुर ब्लॉक, फरसगांव ब्लॉक और केशकाल ब्लॉक से निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर 41 युवकों का अग्निवीर में चयन होने पर सभी युवकों को पुष्पमाला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिया गया। कोंडागाँव जिला के पूर्व सैनिक अपने पेंशन के पैसे से बस्तर के युवाओं को निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण दे रहे हैं जिसके फलस्वरुप बहुत से युवक एवं युवतियों का का बस्तर फाइटर, अर्ध सैनिक बल, नगर सेना और जिला बल में चयनित होकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कोंडागांव जिला के पूर्व सैनिक बस्तर के युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। पूर्व सैनिकों के द्वारा प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे से 7:30 बजे तक विकासनगर स्टेडियम में निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि कोंडागांव जिले से अधिक से अधिक संख्या में युवाओं का सैन्य सेवा में चयन हो सके। इस अवसर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के संरक्षक एवं बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा, जिला अध्यक्ष सूरज यादव, उपाध्यक्ष अजनेर लकड़ा, सदस्य रतिराम सोरी, राकेश धीवर, ढलेश साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डीएमएफटी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश लंबित परियोजनाओं की मांगी प्रगति रिपोर्ट

जगदलपुर। बस्तर जिले में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफटी) मद से स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर आकाश छिकारा ने निर्माण एजेंसियों से कहा है कि अपूर्ण कार्यों में तेजी लाकर आम जनता को उनका लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित डीएमएफटी की प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में वर्षवार एवं विभागवार स्वीकृत अपूर्ण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित कार्ययोजना तथा पंचवर्षीय योजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्यानिकी, कृषि, पशुपालन, क्रेडा तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न विभागों के स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने सभी क्रियान्वयन एजेंसियों और जनपद पंचायतों द्वारा संचालित लंबित कार्यों की भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने और गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्वीकृत परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। बैठक में लंबित कार्यों में देरी के कारणों, वर्तमान स्थिति की फेटोग्राफ सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही जिले में डीएमएफटी मद से किए गए उल्लेखनीय कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा गया। समीक्षा के दौरान इतवारी बाजार में निर्माणाधीन पार्किंग स्थल के समीप चल रहे कार्य में विलंब पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन ने दो बाल विवाह रुकवाए

सुकमा। सुकमा जिले में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत प्रशासन ने समय रहते हस्तक्षेप कर दो नाबालिग बालिकाओं के विवाह रुकवाए हैं। अधिकारियों के अनुसार इस पहल से बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के अधिकारों को संरक्षण मिला है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पहला मामला धुरगुड़ा-पोगाभेज्जी गांव का है, जहां स्थानीय परंपरा के तहत 19 वर्षीय युवक 17 वर्षीय बालिका को विवाह के उद्देश्य से अपने घर ले आया था। सूचना मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। टीम ने दोनों पक्षों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। समझाइश के बाद बालिका पक्ष विवाह स्थगित करने पर सहमत हो गया। बालिका ने भी अपनी शिक्षा जारी रखने की इच्छा व्यक्त की। दूसरा मामला सिरसेट्टी के पांडुरूपारा गांव का है, जहां 15 जून को एक नाबालिग बालिका का विवाह प्रस्तावित था। स्थानीय परंपरा के अनुसार विवाह की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं और सामुदायिक भोज की व्यवस्था भी की जा रही थी। संयुक्त टीम ने परिजनों को कम उम्र में विवाह के स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक प्रभावों से अवगत कराया। इसके बाद परिवार ने विवाह स्थगित करने का निर्णय लिया। प्रशासन ने दोनों मामलों में घोषणा-पत्र एवं पंचनामा तैयार कर संबंधित पक्षों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि जनजागरूकता, संवाद और समय पर प्रशासनिक हस्तक्षेप से सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में जिले में बाल विवाह रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि समय रहते की गई कार्रवाई से दोनों बालिकाओं के बेहतर भविष्य, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हुई है।

नेशनल ट्राइबल गेम्स फुटबॉल में सुकमा की दो खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक

सुकमा। सुकमा जिले की दो महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने प्रथम नेशनल ट्राइबल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन ने उन्हें सम्मानित करते हुए आर्थिक प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार आवासीय खेल अकादमी रायपुर के लिए चयनित शारदा प्रधानी (चिपुरपाल) और पूजा माड़वी (कोलईगुड़ा, कोंटा) ने रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत प्रथम नेशनल ट्राइबल गेम्स की फुटबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व किया। दोनों खिलाड़ियों ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ ने सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश को हराने के बाद फाइनल में झारखंड को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक जीतने के बाद दोनों खिलाड़ियों ने आज कलेक्टर अमित कुमार से मुलाकात की। इस दौरान कलेक्टर ने खिलाड़ियों से उनकी शिक्षा, प्रशिक्षण और आवासीय व्यवस्था की जानकारी ली तथा फुटबॉल की तकनीकी पहलुओं पर भी चर्चा की। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कलेक्टर ने दोनों खिलाड़ियों को 'विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना' के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। जिला प्रशासन का मानना है कि इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा ।

डीजल संकट से भड़के किसान, भगदेवा पेट्रोल पंप के सामने किसानों ने लगाया जाम

कोण्डागांव। खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले डीजल की कमी को लेकर किसानों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। उमरकोट (ओड़िशा)-कोण्डागांव मार्ग स्थित भगदेवा पेट्रोल पंप के सामने सैकड़ों किसान सड़क पर बैठ गए और जाम लगा दिया। किसानों का आरोप है कि, पहले 2000 रुपये, फिर 1000 रुपये और अब केवल 500 रुपये का डीजल दिया जा रहा है, जिससे खेती-किसानी का काम प्रभावित हो रहा है। किसानों ने कहा कि हाल ही में हुई बारिश के बाद खेतों की जुताई और अन्य कृषि कार्यों का समय शुरू हो गया है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में डीजल नहीं मिलने से वे भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी किसानों की मांग थी कि, प्रत्येक किसान को कम से कम 3000 रुपये का डीजल उपलब्ध कराया जाए, जबकि कुछ किसानों ने 5000 रुपये तक का डीजल देने की मांग भी रखी। जनपद सदस्य जेठूराम पोयाम ने कहा कि, खेती के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण समय है और इतनी कम मात्रा में डीजल मिलने से किसानों का काम नहीं चल सकता। उनका कहना था कि ट्रैक्टर को खेत तक ले जाने में ही 500 रुपये का डीजल खर्च हो जाता है। इसी प्रकार नेवता के संजय करण, किसान टीलाराम बघेल और माकड़ी ब्लॉक के दिनेश कुमार कश्यप ने भी पर्याप्त मात्रा में डीजल उपलब्ध कराने की मांग उठाई। वहीं, बीएस एनर्जी पेट्रोल पंप के संचालक पुखराज बघेला ने किसानों के आरोपों पर कहा कि, शासन के निर्देशों के अनुसार डब्बों में डीजल देना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद किसानों की सुविधा को देखते हुए 500 रुपये तक का डीजल दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डिपो से पर्याप्त मात्रा में डीजल उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिसके कारण स्टॉक की समस्या बनी हुई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी तथा जवान मौजूद रहे। नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह ने किसानों को समझाइश दी और बताया कि, दूर-दराज से आने वाले किसान आवश्यक दस्तावेजों के साथ डब्बों में डीजल प्राप्त कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा जागरूकता बढ़ाने और आवश्यक जानकारी किसानों तक पहुंचाने का आश्वासन दिए जाने के बाद किसानों ने जाम समाप्त कर दिया। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जा सकता है।

एनएमडीसी सीएसआर, बचेली द्वारा समर कैंप समापन समारोह का आयोजन

बचेली। एनएमडीसी ने अपने सीएसआर पहलों के तहत वोस्का के सहयोग से 20 मई से 12 जून तक दंतेवाड़ा जिले के 17 गांवों में समर कैंप आयोजित किए। इन शिविरों से लगभग 1,300 बच्चों को लाभ मिला, जिसमें बुनियादी शिक्षा, पढ़ने, खेल, कला और शिल्प (आर्ट एंड क्राफ्ट), सांस्कृतिक कार्यक्रमों, रचनात्मक शिक्षा और व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित गतिविधियाँ शामिल थींइन समर कैंपों के सफल समापन के उपलक्ष्य में मंगल भवन, एनएमडीसी, बचेली में एक समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयंत नाहटा (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, दंतेवाड़ा), टी. शिवा कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) बचेली कॉम्प्लेक्स, महेश एस नायर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) बचेली कॉम्प्लेक्स और सौरभ कुमार, उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन) बचेली कॉम्प्लेक्स उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में एनएमडीसी के बचेली और किरंदुल परियोजना के अधिकारी, जिला पंचायत दंतेवाड़ा के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, विभिन्न गांवों के सरपंच, समुदाय के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुई, जिसके बाद प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया जहाँ बच्चों ने समर कैंप के दौरान बनाई गई अपनी कलाकृतियों, शिल्पों और सीखे गए कौशल का प्रदर्शन किया। जयंत नाहटा और एनएमडीसी के अधिकारियों ने बच्चों से बातचीत की, उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें शिविरों के दौरान सीखी गई बातों को अपनी नियमित स्कूली शिक्षा में आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद गणमान्य अतिथियों ने केंद्रीय विद्यालय मैदान का दौरा किया, जहाँ बच्चों ने टीम-आधारित फ्रिसबी प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए जयंत नाहटा ने एनएमडीसी की इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित होंगे। उन्होंने बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम वर्क और समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए एक माध्यम के रूप में खेलों के महत्व पर भी जोर दिया।इन समर कैंपों के माध्यम से, एनएमडीसी ने ग्रामीण बच्चों के लिए छुट्टियों के दौरान सीखने, अपनी रचनात्मकता को तलाशने, खेलों में भाग लेने और आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक मंच तैयार किया है, जिससे उनके समग्र विकास और सकारात्मक सामुदायिक जुड़ाव में योगदान मिला है।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी- जन समस्या निवारण शिविर से मिली बड़ी राहत, ओमकार प्रताप सिंह को तत्काल मिला लर्निंग लाइसेंस

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत धनौरा निवासी ओमकार प्रताप सिंह के लिए जन समस्या निवारण शिविर एक सुखद अनुभव लेकर आया। उन्हें अपने लर्निंग लाइसेंस बनवाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, जिसके कारण उनके दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे थे। जब चर्चेडी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर की जानकारी उन्हें मिली, तो उन्होंने अपनी समस्या का आवेदन परिवहन विभाग के समक्ष प्रस्तुत किया। शिविर में प्राप्त आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए परिवहन विभाग के अधिकारियों ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उन्हें उसी समय लर्निंग लाइसेंस जारी कर दिया। लर्निंग लाइसेंस मिलने से ओमकार प्रताप सिंह बेहद प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल से आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान अब उनके गांव और क्षेत्र में ही हो रहा है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है। ओमकार प्रताप सिंह ने अपनी समस्या के त्वरित निराकरण के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जन समस्या निवारण शिविर शासन और जनता के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य कर रहा है, जिससे लोगों को त्वरित और पारदर्शी सेवाएं मिल रही हैं।

शाला प्रवेश उत्सव का 16 जून को होगा गरिमामय आयोजन सभी स्कूलों में व्यापक तैयारियों के निर्देश

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने आगामी 16 जून को राज्यभर के सभी शासकीय विद्यालयों में शाला प्रवेश उत्सव 2026 का गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण आयोजन करने के निर्देश जारी किए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान के तहत नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया जाएगा तथा विद्यालयों में अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में विद्यालयों की साफ-सफाई, भवनों की मरम्मत, आकर्षक सजावट, विद्यार्थियों की उपस्थिति सत्यापन तथा प्रवेश योग्य बच्चों की पहचान कर उन्हें विद्यालय से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पालकों, स्कूल प्रबंधन समितियों, आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा समुदाय के सहयोग से कार्यक्रम को जनभागीदारी का स्वरूप देने के निर्देश दिए गए हैं। शाला प्रवेश उत्सव के दौरान नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा, उन्हें नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें, गणवेश एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की जाएगी। बोर्ड एवं स्थानीय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा विद्यालय के सहयोगी पालकों का सम्मान भी किया जाएगा। विकासखंड एवं संकुल स्तर के अधिकारियों को कार्यक्रम की सतत निगरानी एवं मार्गदर्शन की जिम्मेदारी सौंपी है। विभाग का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र बालक-बालिका विद्यालय से जुड़े और नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ उत्साह, जनसहभागिता और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण के साथ हो।

दो बोरियों में बंधी मिली युवक की लाश, हत्या की आशंका से फैली सनसनी

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तीवरागुड़ी सरनापारा में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव के बाहरी हिस्से में बिजली खंभे के पास रखी दो संदिग्ध बोरियों से एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने सुबह खंभे के पास पड़ी बोरियों को देखा। काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने पर जब लोगों ने नजदीक जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। बोरियों के भीतर एक व्यक्ति का शव बंधा हुआ था।

कोनी थाना, कलेक्टर और सुशासन तिहार तक शिकायत

फिर भी नहीं रुका कथित रेत उत्खनन-अंकित गौरहा

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कछार,सेंदरी,लोफंदी में अवैध रेत उत्खनन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम कछार निवासी सावन खांडे द्वारा कलेक्टर बिलासपुर को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि उनकी कृषि भूमि के समीप अरपा नदी से लगातार रेत उत्खनन किया जा रहा है, विरोध करने पर खनिज माफिया के द्वारा मारपीट की गई जिसका एफ्आईआर कोनी थाने में दर्ज है इसके बावजूद खनिज माफियाओं के द्वारा उनकी भूमि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और लगातार अवैध खनन का कार्य जारी है।

सुशासन तिहार सहित कलेक्टर व एसपी को शिकायत-

प्रार्थी का कहना है कि इस संबंध में केवल एक बार नहीं, बल्कि कई स्तरों पर शिकायत की जा चुकी है। कोनी थाना में शिकायत दर्ज कराई गई, जिला प्रशासन को अवगत कराया गया, कलेक्टर को आवेदन सौंपा गया तथा मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी सुशासन तिहार कार्यक्रम में भी शिकायत प्रस्तुत की गई। इसके बावजूद आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों और किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। गौरतलब है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं। महामहिम राज्यपाल ने भी प्रदेश में अवैध खनन के मामलों पर संज्ञान लिया था। वहीं खनिज सचिव द्वारा ड्रोन के माध्यम से निगरानी कर अवैध खनन पर नियंत्रण की बात कही गई थी। लेकिन ग्राम कछार की स्थिति देखकर यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर इन निर्देशों और घोषणाओं का धरातल पर कितना प्रभाव पड़ा है। सबसे बड़ा सवाल बेलतरा विधानसभा के स्थानीय विधायक की भूमिका को लेकर भी उठ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब किसानों की भूमि, पर्यावरण और नदी तट प्रभावित होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, तब स्थानीय जनप्रतिनिधियों को खुलकर सामने आना चाहिए। जनता जानना चाहती है कि इस गंभीर विषय पर क्षेत्रीय विधायक द्वारा अब तक क्या पहल की गई है। इस मामले में कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने कहा कि, जब एक किसान को कोनी थाना, कलेक्टर कार्यालय और सुशासन तिहार तक शिकायत करनी पड़े और उसके बाद भी कार्रवाई न हो, तो यह प्रशासनिक तंत्र की गंभीर विफलता को दर्शाता है। शासन के सर्वोच्च स्तर से निर्देश जारी होने के बावजूद यदि जमीनी स्तर पर हालात नहीं बदल रहे हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों और विभागों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अवैध खनन रोकने के बड़े-बड़े दावे कर रही है लेकिन ग्राम कछार की स्थिति उन दावों की वास्तविकता उजागर कर रही है। यदि शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होती, तो जनता का विश्वास व्यवस्था से उठना स्वाभाविक है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के बारहवें संस्करण के अवसर पर इस वर्ष निर्धारित थीम योगा फॉर हेल्थ अगेन के सफल आयोजन हेतु जिले में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में आज आयुष विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से समाज कल्याण विभाग के बैठक कक्ष में योग दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. कैलाश सिंह मरकाम जिला आयुष अधिकारी तथा श्री सुरेश कुमार भारती प्रभारी सहायक संचालक समाज कल्याण विभाग द्वारा की गई। बैठक में 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की रूपरेखा, योग सत्रों के सफल संचालन, जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने योग को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में आयुष विभाग के 19 चिकित्सकों सहित कुल 65 आयुष अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन हेतु आवश्यक दायित्व सौंपे गए तथा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं, जिससे आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़े तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके।

एसईसीएल नारी राग-रंग महोत्सव 2026 का उत्साहपूर्ण समापन.....

■ नारी राग-रंग महोत्सव ने महिलाओं की छिपी प्रतिभाओं को नई पहचान दी- श्री हरीश दुहन

बिलासपुर। श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'एसईसीएल नारी राग-रंग महोत्सव 2026' का आज एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एसईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन एवं श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन रहे। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास एवं श्रद्धा महिला मंडल की उपाध्यक्षागण श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास एवं श्रीमती शुभश्री महापात्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रद्धा महिला मंडल की उपाध्यक्षगण, कार्यकारिणी सदस्याएँ, कर्मचारीगण एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महोत्सव के द्वितीय दिवस पर समूह गायन, समूह नृत्य, स्टैंड-अप कॉमेडी/मिमिक्री तथा नाटक/स्किट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को विशेष गरिमा एवं उत्साह प्रदान किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री हरीश दुहन ने कहा, नारी राग-रंग महोत्सव का उद्देश्य महिलाओं के भीतर छिपी प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर अमर अग्रवाल ने स्वच्छता,वृक्षारोपण अभियान में की सहभागिता....

बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के अंतर्गत नगर विधायक अमर अग्रवाल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता की। अमर अग्रवाल ने वाल्मीकि चौक में आयोजित स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान किया तथा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बिलासपुर पूरे देश में स्वच्छता के क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त कर चुका है और इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। इसी क्रम में लाल बहादुर शास्त्री मैदान में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के संकल्प को सशक्त करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण मिल सके। देवकीनंदन दीक्षित सभा भवन में जोन क्रमांक 5 के विभिन्न वार्डों में होने वाले विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। कार्यक्रम के दौरान 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया गया। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत अमर अग्रवाल ने जोरा पारा, इंद्रविहार कॉलोनी इमलीभाठा, हरदेवलाल मंदिर के समीप, किला वार्ड, दुर्गा चौक, कातियापारा तथा संत रविदास नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों, व्यवसायियों, समाज प्रमुखों, अधिवक्ताओं एवं अन्य प्रबुद्धजनों से मुलाकात कर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की तथा उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही भाजपा का प्रमुख लक्ष्य है। अमर अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी बिलासपुर विधानसभा उत्तर मंडल के अंतर्गत सरकंडा स्थित लोधी पारा मोहल्ला बैराज का निरीक्षण भी किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं एवं आवश्यक जनसुविधाओं के संबंध में चर्चा की।

खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई : अवैध मुरुम उत्खनन और रेत परिवहन पर शिकंजा, 9 वाहन जब्त

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन के निर्देश पर जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध मुरुम उत्खनन एवं रेत परिवहन में संलिप्त कुल 9 वाहनों को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, खनिज विभाग की टीम ने सिवनी एवं मरवाही क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अवैध मुरुम उत्खनन करते हुए 2 जेसीबी मशीन और 3 ट्रैक्टर वाहनों को पकड़ा। सभी वाहनों को जब्त कर संबंधित थानों में सुरक्षित रखा गया है। मरवाही, कोलबीरा और कोटमी क्षेत्र में अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर 4 ट्रैक्टर वाहनों को भी जब्त किया गया। इन वाहनों को भी संबंधित पुलिस थानों में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा जब्त किए गए सभी वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वाहन मालिकों द्वारा निर्धारित अर्थदंड की राशि जमा किए जाने के बाद ही वाहनों को मुक्त किया जाएगा। ने खनिज विभाग को जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई में सहायक खनि अधिकारी आदित्य मानकर, खनि निरीक्षक सुजीत कंवर, खनिज सिपाही शिवकुमार लहरे, नगर सैनिक सतीश साहू एवं साहिब गनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिले में खनिज माफियाओं के खिलाफ जारी इस अभियान से अवैध खनन और परिवहन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

निगम में 04 कर्मचारियों की हुई अनुकम्पा नियुक्ति

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा में 04 कर्मचारियों की अनुकम्पा नियुक्ति की गई है, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने इन सभी नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया, उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ववल भविष्य की कामना करते हुये उन्हें पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। नगर पालिक निगम कोरबा के 04 दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है, की गई नियुक्ति की।

मुस्कुराहट और आंसुओं के साथ बालिकाओं ने बालिका सशक्तिकरण अभियान को किया अलविदा

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत के आवासीय परिसर में एनटीपीसी लिमिटेड की नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) पहल के अंतर्गत आयोजित बालिका सशक्तिकरण अभियान (तश्वरू)-2026 का 13 जून 2026 को भावपूर्ण समापन हुआ। इस चार सप्ताह के पूर्ण आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर परिसर का वातावरण भावनाओं से भरा रहा। अपनी बेटियों को लेने पहुंचे अभिभावकों के चेहरों पर गर्व और खुशी झलक रही थी, वहीं पिछले एक महीने से साथ रह रही बालिकाएं अपने साथियों और प्रशिक्षकों से विदा लेते समय भावुक नजर आईं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संजय अग्रवाल, आईएएस, कलेक्टर, बिलासपुर उपस्थित रहे। उनका स्वागत विशिष्ट अतिथि स्वपन कुमार मंडल, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सीपत ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रवलन से हुआ। इस अवसर पर बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाटक, समूह गीत एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षण अवधि के दौरान अर्जित अपने अनुभव, आत्मविश्वास और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही प्रदर्शनी के माध्यम से सीखी गई विभिन्न कलाओं को भी साझा किया। अपने संबोधन में संजय अग्रवाल ने बालिका सशक्तिकरण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन किसी भी बालिका के भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपनी बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें हर अवसर उपलब्ध कराने का आह्वान किया और कहा कि आज की बालिकाएं कल के सशक्त समाज की आधारशिला हैं और उनमें असीम संभावनाएं निहित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और बड़े सपने देखने का साहस विकसित करते हैं। स्वपन कुमार मंडल ने बालिकाओं को उनके उवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पिछले 28 दिनों में सभी प्रतिभागियों ने सीखने, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 से अब तक एनटीपीसी सीपत में 525 बालिकाएं इस पहल से लाभान्वित हो चुकी हैं और तश्वरू-2026 के साथ यह संख्या और 121 बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम पूर्ण होने के बाद प्रत्येक वर्ष 10 मेधावी बालिकाओं को बाल भारती पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी सीपत में कक्षा 6 से 12 तक नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। श्रीमती शिखा मंडल, अध्यक्षा, संगवारी महिला समिति ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक बालिका में अपनी पहचान बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की अपार क्षमता है। उन्होंने बालिकाओं से आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों का पीछा करने तथा प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त सीख को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगवारी महिला समिति की सदस्याओं ने पूरे कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को परिवार के सदस्य की तरह स्नेह और मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है। इस अवसर पर सुरोजीत सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), अशोक सरकार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं ईंधन प्रबंधन), विकास खरे, महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग), जयप्रकाश सत्यकाम, प्रमुख (मानव संसाधन)।

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व है। जब अमावस्या तिथि सोमवार को पड़ती है, तब सोमवती अमावस्या का संयोग बनता है। साल 2026 की पहली सोमवती अमावस्या अधिक मास में पड़ रही है, जिसके कारण इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती और पितरों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अमावस्या तिथि पर पवित्र नदी में स्नान करने और दान करने का खास महत्व है। मान्यता है कि इस दिन स्नान, जप-तप और दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। जानें सोमवती अमावस्या कब है।

सोमवती अमावस्या 2026 कब है:

पंचांग के अनुसार, अधिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 14 जून 2026, रविवार को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगी और समाप्त 15 जून 2026, सोमवार को सुबह 08 बजकर 24 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि मान्य होने के कारण सोमवती अमावस्या का व्रत 15 जून 2026 को रखा जाएगा। पितृ कार्य के लिए 14 जून का दिन उत्तम रहने वाला है।

सोमवती अमावस्या स्नान-दान का समय 2026:

सोमवती अमावस्या के लिए स्नान-दान का ब्रह्म मुहूर्त 14 जून को सुबह 04 बजकर 04 मिनट से सुबह 04 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। अमृत काल दोपहर 03 बजकर 56 मिनट से शाम 05 बजकर 20 मिनट तक रहेगा।

सोमवती अमावस्या का महत्व:

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या शुभ फल प्रदान करने वाली तिथि मानी जाती है। मान्यता है कि इस दिन पीपल के वृक्ष की पूजा और परिक्रमा करने से जीवन में सुख-शांति के साथ समृद्धि आती है। भगवान शिव की कृपा से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से जातक को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है। पितरों की कृपा पाने के लिए यह दिन अत्यंत उत्तम माना जाता है। अमावस्या तिथि पर श्राद्ध, तर्पण और पितृ कर्म करने से पूर्वजों का

आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे परिवार में खुशहाली आती है।

सोमवती अमावस्या पर धन लाभ के उपाय-

- सोमवती अमावस्या की शाम मां लक्ष्मी की पूजा के समय उन्हें पीली कौड़ियां अर्पित करें। अगर पीली कौड़ियां मिलना संभव नहीं है, तो सफेद कौड़ी में हल्दी लगाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। रात भर पूजा स्थल पर रहने दें, उसके बाद सुबह स्नान आदि करने के बाद लाल रंग के कपड़े में बांधकर धन या तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- अमावस्या के दिन शाम के समय पीपल के पेड़ पर सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धन से जुड़ी परेशानी खत्म होती है और आर्थिक उन्नति मिलती है।
- इस दिन नदी या तालाब में मछलियों को शक्कर मिश्रित आटे की गोलियां खिलाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पैसों का आगमन होता है।

ड्राइंग रूम फर्नीचर वास्तु टिप्स

ड्राइंगरूम घर का सबसे अहम भाग माना जाता है. यहां परिवार के सदस्य एक साथ बैठते हैं और समय बिताते हैं. यहां मेहमानों का स्वागत किया जाता है. ऐसे में ड्राइंगरूम में सजावट और फर्नीचर की सही दिशा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि वास्तु शास्त्र में ये कहा गया है कि घर में सकारात्मक प्रवाह बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि ड्राइंगरूम में फर्नीचर की सही दिशा का ध्यान रखा जाए. वास्तु के अनुसार, ड्राइंगरूम में फर्नीचर सही दिशा में रखने से घर में सकारात्मक उर्जा का प्रवाह तो बना ही रहता है. साथ में घर का वातावरण भी संतुलित और सुकून भरा रहता है. ऐसे में आइए वास्तु के अनुसार, जानते हैं फर्नीचर को रखने की सही दिशा.

ड्राइंगरूम में दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें फर्नीचर

वास्तु के अनुसार, ड्राइंगरूम में सोफा सेट या भारी फर्नीचर दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें. ये दिशा फर्नीचर रखने के लिए बहुत उपयुक्त मानी जाती है. इस दिशा में फर्नीचर को दीवार से सटाकर रखें. ऐसा करने से घर में स्थिरता आती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है. इससे परिवार के सदस्यों का जीवन अच्छा होता है.

इस दिशा का भी है विकल्प

अगर किसी कारण से दक्षिण-पश्चिम दिशा में फर्नीचर नहीं रख सकते हैं, तो उत्तर या पूर्व दिशा में इसको रखें. इन दिशाओं में फर्नीचर रखना सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी बातों ध्यान अवश्य रखें.

दूरी का रखें विशेष ध्यान

उत्तर या पूर्व दिशा में फर्नीचर रखते समय इसे दीवार से कम से कम 6 से 8 इंच दूरी पर रखें. ऐसा करने से ऊर्जा का प्रवाह सही रहता है. किसी प्रकार का वास्तु दोष नहीं लगता.

मिलता है ये लाभ

ड्राइंगरूम में फर्नीचर सही दिशा और संतुलन के साथ रखने पर घर में शांति, सुख और समृद्धि बनी रहती है. घर का महौल बेहतर होता है. परिवार के सदस्यों के जीवन में सकारात्मकता आती है.

फेस कट के हिसाब से कैसी हो आइब्रो?

चेहरे की खूबसूरती में आइब्रो का बहुत बड़ा रोल होता है, लेकिन अक्सर लड़कियां इस बात को लेकर कंफ्यूज रहती हैं कि उनकी आइब्रो पतली होनी चाहिए या मोटी। सही आइब्रो शेप न सिर्फ आपके फीचर्स को बैलेंस करता है, बल्कि पूरे लुक को भी निखार देता है। ज्यादा महिलाएं थ्रेडिंग कराते समय कहती हैं कि ज्यादा पतली न करना लेकिन कई बार पतली आइब्रो भी आपके फेस पर अच्छी लगती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आपको अपना सही फेस कट पता हो और उसी हिसाब से सही आइब्रो चुनें, जिससे आपकी नेचुरल ब्यूटी और भी उभरकर सामने आए। चलिए आपको बताते हैं फेस शेप के हिसाब से कैसी आइब्रो होनी चाहिए?

फेस शेप कैसे पहचानें?

सबसे पहले ये जान लीजिए कि अपना फेस शेप आपको कैसे पहचानना है। फेस शेप जानने के लिए शीशे के आगे खड़े हो जाइये और एक स्केच या मार्कर पेन लीजिए। बालों को जूड़ा बनाकर पीछे बांध लें। अब फेस शेप को सामने देखते हुए मार्कर से राउंड, ओवल या जो भी शेप वैसे ही ड्रॉ करें। जैसा भी बना पाएंगी वही आपका सही शेप होगा।

अब इन कॉमन फेस शेप्स से मैच करें-

ओवल- लंबा चेहरा, हल्का कर्व
राउंड- बराबर चौड़ाई और लंबाई, गोल शेप
स्क्वायर- चौड़ा माथा और मजबूत जॉलाइन
हार्ट- चौड़ा माथा, पतली चिन
डायमंड- गाल चौड़े, माथा और चिन पतला।

आइब्रो कौन सी होगी परफेक्ट?

गोल चेहरे के लिए- गोल चेहरा है और आपको बोल्ड-शार्प आइब्रो चाहिए। धनुष के आकार में आइब्रो बनवाएं। इसका मतलब है आइब्रो को बीच से अपलिफ्ट करवाएं, इससे बोल्ड और फेस लुक टॉल दिखेगा।

ओवल चेहरे के लिए- ओवल शेप पहले से ही बैलेंस और शार्प दिखता है, तो आपको आइब्रो को नेचुरल रखना है और हल्का सा आर्च देना है। इसमें आइब्रो घनी रखनी है।

हार्ट शेप फेस- आपका फेस हार्ट शेप में है, तो आइब्रो गोल शेप में बनवाएं। ये आइब्रो सिंपल लगती है लेकिन हार्ट शेप फेस पर अच्छी लगेगी। इसमें आपको आइब्रो पतली नहीं रखनी है बल्कि थोड़ी मोटी और घनी रखे।

स्क्वॉयर फेस शेप- चौकोर फेस को लंबा दिखाने के लिए आइब्रो खास रोल निभाती है। आइब्रो परफेक्ट हो तो चेहरा लंबा दिखने का भ्रम पैदा होता है। इसके लिए आपको आइब्रो बनवानी है और इसमें बीच में हल्का सा झुकाव देते हुए आइब्रो बोन के ऊपर हल्का सा उभार दें।

खुद के अंदर ले आएं ये चेंज

आज के समय में सिर्फ अच्छी डिग्री या स्किल्स ही काफी नहीं हैं, बल्कि आपकी पर्सनालिटी भी उतनी ही मायने रखती है. आप कैसे बोलते हैं, कैसे पेश आते हैं और लोगों के सामने खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं...ये सारी चीजें मिलकर आपको एक अलग पहचान देती है. कई बार हम देखते हैं किसी व्यक्ति को हर तरफ तारीफ मिल रही होती है. वहीं कुछ लोग अच्छे होकर भी लोगों को पसंद नहीं आते हैं. पर्सनैलिटी अट्रैक्टिव होना बहुत जरूरी है. यही वजह है कि कुछ लोग पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट का कोर्स तक करवाते हैं. वैसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोई मुश्किल काम नहीं है. इसके लिए आपको किसी एक्सपर्ट की भी जरूरत नहीं है. बस अपने अंदर कुछ आदतों को बदल कर और कुछ खुद में कुछ चेंजेस लागकर आप अपनी पर्सनैलिटी को भी बेहतर बना सकते हैं. इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स देने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप खुद में अच्छे चेंज ला सकते हैं और हर तारीफ पा सकते हैं.

पॉजिटिव सोच अपनाएं

पॉजिटिविटी हर किसी को पसंद होती है और ये सबसे बड़ी ताकत भी होती है. जब सोच पॉजिटिव रहती है तो ऐसे लोग हर सीच्युशन में पॉजिटिव ही रहते हैं. ऐसे लोग हर जगह पसंद किए जाते हैं क्योंकि इनके साथ रहने से ही माहौल सकारात्मक बना रहता है.

बोलने से पहले सोचें

कम बोलना या ज्यादा बोलना मैटर नहीं करता है. मेटर करता है सोच कर और अच्छा बोलना. अगर आप कम बोलते हैं या फिर ज्यादा बोलते हैं तो अपने अंदर ये चेंज जरूर लाएं कि, जितना भी बोले अच्छा और सही बोलें. क्योंकि बातों में विनम्रता और समझदारी झलकनी जरूरी है. जब आप अच्छा और सोच-समझकर बोलते हैं लोग आपकी बातों को सुनते हैं और आपको सीरियसली लेते हैं. ऐसे में आपकी इज्जत भी बढ़ जाती है.

दूसरों की बात ध्यान से सुनें

कुछ लोगों में आदत होती है कि वो खुद को बोल लेते हैं. लेकिन दूसरों की सुनते नहीं है. ऐसे लोगों को कई जगह पर पसंद नहीं किया जाता है. इसलिए खुद में ये बदलाव जरूर लाएं कि, बोलने के बाद सामने वाले की बात सुनना भी सीखें.

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा आपकी राशि के द्वितीय भाव में विराजमान है. करियर में आर्थिक फैसलों को लेकर थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है. बिजनेस में कोई भी बड़ा निवेश करने से पहले अनुभवी व्यक्तियों से सलाह जरूर लें. लव लाइफ में साथी के साथ विचारों का तालमेल बिठाना जरूरी होगा, छोटी बातों पर बहस से बचें.

वृषभ राशि - आपके लिए आज का दिन महत्वपूर्ण उपलब्धियों वाला रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के प्रथम भाव में स्थित है. करियर में आपके व्यक्तित्व का प्रभाव बढ़ेगा और आप कार्यक्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित रहेंगे. बिजनेस में लाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे.

मिथुन राशि - करियर में काम का दबाव बढ़ सकता है, इसलिए कार्यों को व्यवस्थित करने का प्रयास करें. बिजनेस में धन के लेन-देन में सतर्कता बरतें और फालतू के खर्चों पर लगाम लगाएं. लव लाइफ में साथी के साथ स्पष्ट संवाद बनाए रखना ही समझदारी होगी. स्वास्थ्य में अनिद्रा या मानसिक थकान की समस्या हो सकती है, भरपूर विश्राम करें.

कर्क राशि - आपकी मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी. बिजनेस में अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग है. लव लाइफ मे साथी के साथ बेहतरीन समय व्यतीत करेंगे और आप भविष्य की सुखद योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं.

सिंह राशि - बिजनेस मे नई योजनाएं सफल होंगी और व्यापारिक सौदों में आपको अच्छा लाभ मिलेगा. लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम और गहरा होगा. स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा. कल कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार के रूप में बनेगी.

कन्या राशि - करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और आपके रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे. बिजनेस मे कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा. लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा होगा. स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का संचार बना रहेगा. कल आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में रुचि ले सकते हैं.

तुला राशि- बिजनेस में अभी किसी भी प्रकार के बड़े निवेश को टालना ही बेहतर होगा. लव लाइफ में साथी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, उनका ध्यान रखें. स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें और हल्का भोजन लें. कल आपको धैर्य रखने की बहुत अधिक आवश्यकता है. शांत रहकर ही आप मुश्किलों को पार कर पाएंगे. विवादों से दूर रहना आपके हित मे रहेगा.

वृश्चिक राशि - साझेदारी वाले कार्यों से लाभ मिलने की संभावना है. बिजनेस मे अपने प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखें और योजनाबद्ध तरीके से काम करें. लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे. स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित खान-पान का ध्यान रखें. कल आप अपने कार्यों के प्रति काफी सजग रहेंगे.

धनु राशि- चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में स्थित है. यह स्थान रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने में मददगार साबित होगा. करियर में पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और आपके विरोधी शांत रहेंगे. बिजनेस मे लाभ की अच्छी स्थिति बनी रहेगी. लव लाइफ मे साथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे की बातों को बेहतर समझेंगे.

मकर राशि - आपके रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी और आप अपने काम में निखार ला पाएंगे. बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं. लव लाइफ में साथी के साथ हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्रेम बना रहेगा. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. कल आपको अपने बच्चों की शिक्षा या भविष्य से जुड़ी किसी बात पर ध्यान देने की आवश्यकता पड़ सकती है.

कुंभ राशि- चंद्रमा आपकी राशि के चतुर्थ भाव में विराजमान है. करियर में घर-परिवार की समस्याओं के कारण कार्यस्थल पर ध्यान केंद्रित करने मे दिक्कत आ सकती है. बिजनेस में सावधानी से काम लें और कोई बड़ा फैसला न लें. लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा धैर्य की जरूरत होगी. स्वास्थ्य मे माता-पिता की सेहत का विशेष ध्यान रखें.

मीन राशि- आपके साहस और मेहनत की सराहना होगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा. बिजनेस में नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे. लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ता और भी अधिक गहरा होगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आप पूरी तरह से ऊर्जावान महसूस करेंगे. कल आप किसी पुराने मित्र से मिल सकते हैं, जिससे मन बहुत प्रसन्न होगा.

गर्मी में अंजीर खाना कैसा है?

गर्मियां आते ही लोग अपनी डाइट में बदलाव करना शुरू कर देते हैं. इस मौसम में शरीर जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है. डाइजेशन भी सेंसिटिव होता है, जिससे पेट खराब होने का खतरा ज्यादा रहता है. ऐसे में कई लोग गर्म तासीर वाली चीजें भी खाने से बचते हैं. जिसमें सूखे मेवे भी शामिल हैं. खासतौर पर अंजीर को लेकर लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि क्या इसे गर्मियों में खाना फायदेमंद है?

अंजीर एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. लेकिन इसकी तासीर गर्म होने की वजह से गर्मियों में लोग इसे खाने से बचते हैं. अगर आपके मन में भी कंफ्यूजन है कि अंजीर को गर्मियों में खाना चाहिए या नहीं तो ये आर्टिकल आपके लिए है. इस आर्टिकल में जानेंगे कि गर्मी में अंजीर खानी चाहिए या नहीं. अगर हां, तो इसे खाने का सही तरीका क्या है.

पोषक तत्वों से भरपूर अंजीर

अंजीर पोषक तत्वों का खजाना है. इसमें फाइबर, विटामिन, मिनिरल् और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. इसके अलावा ये आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम का भी अच्छा सोर्स है. इसे खाने से न सिर्फ पेट लंबे समय तक भरा रहता है. बल्कि ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है. सर्दियों में ये शरीर को गर्म रखने में भी मददगार है. चलिए जानते हैं गर्मियों में इसका सेवन कैसा है?

जयपुर की क्लिनिकल आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता बताती हैं कि भले ही अंजीर की तासीर गर्म हो. लेकिन गर्मियों में भी इसका सेवन फायदेमंद होता है. भले इसे खाने के तरीके में बदलाव करना जरूरी है. सर्दी में आप अंजीर का जहां ऐसे ही खा सकते हैं. वहीं गर्मियों में इसे खाने के लिए आपको पहले अंजीर को रातभर के लिए पानी में भिगोना होगा. इससे अंजीर की गर्म तासीर बदल जाती है और गर्म होने के बाद भी ये शरीर को फायदे देती है. अंजीर के फायदों की बात करें तो ये शरीर के लिए रामबाण से कम नहीं है. इसे खाने से वजन कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है. दरअसल, इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो पेट को भरा रखता है और क्रेविंग को कंट्रोल करने में भी मदद करता है. गर्मियों में सुस्ती आना बहुत आम बात है. दिन भर आपको थका-थका महसूस होता है. ऐसे में अगर आप रोज सुबह भीगी हुई अंजीर खाते हैं तो इससे आपको पूरा दिन एनर्जी मिलती है. दरअसल, अंजीर में मौजूद नेचुरल शुगर, मिनिरल्स और विटामिन बी शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देने में मददगार है. अंजीर खाने से स्किन की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी, ई पाया जाता है. जो स्किन के लिए बेहद जरूरी न्यूट्रिशन है. इसे खाने से स्किन ग्लोइंग बनती है. ड्राईनेस कम होती है और त्वचा को सन डैमेज से भी प्रोटेक्ट करती है.

दिमाग को शांत और फोकस्ड बना सकते हैं योगासन

अगर आपका मन किसी काम में नहीं लग रहा, तो ये बात बिल्कुल आम है. आजकल स्ट्रेस और ज्यादा सोचने की वजह से ध्यान भटकना आम बात हो गई है. लेकिन अच्छी बात ये है कि कुछ आसान योगासन करके आप अपने दिमाग को शांत और फोकस्ड बना सकते हैं. चलिए जानते हैं उनके बारे में.

पद्मासन फोकस बढ़ाने के लिए सबसे आसान और असरदार योगासन में से एक है. इसमें आपको आराम से पैर क्रॉस करके बैठना होता है. फिर धीरे-धीरे गहरी सांस लें. इससे दिमाग शांत होता है और बेवजह के विचार कम होने लगते हैं, जिससे ध्यान लगाना आसान हो जाता है.

वृक्षासन भी फोकस बढ़ाने में असरदार होता है. इसमें एक पैर पर खड़े होकर बैलेंस बनाना होता है. जब आप बैलेंस बनाने की कोशिश करते हैं, तो आपका पूरा ध्यान उसी पर रहता है. इससे ही फोकस और धैर्य दोनों बढ़ते है.

फोकस बढ़ाने के लिए आप भ्रमारि प्राणायाम योगासन भी कर सकते हैं. इसमें सांस लेते और छोड़ते समय "भिन-भिन" जैसी आवाज निकालते हैं. यह दिमाग को तुरंत रिलैक्स करता है और तनाव कम करता है, जिससे ध्यान लगना आसान हो जाता है.

बालासन करने के लिए आपको शरीर को आगे झुकाकर आराम की स्थिति में आना होता है. यह पोज़ दिमाग को आराम देता है और थकान दूर करता है, जिससे आप फिर से फोकस कर पाते हैं. इसमें किसी एक चीज (जैसे दीपक की लौ) को बिना पलक झपकाए देखना होता है. ये फोकस बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा असरदार योगासन है. इससे आंखें और दिमाग दोनों मजबूत होते हैं और ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है. ताड़ासन करने भी आप अपने फोकस को बढ़ा सकते हैं. सीधे खड़े होकर शरीर को स्ट्रेच करना ही ताड़ासन है. यह आसान सा दिखता है, लेकिन इससे शरीर और दिमाग दोनों स्थिर होते हैं और आप ज्यादा क्लियर सोच पाते हैं.

गर्मियों के मौसम में खाएं खीरा

लगभग हर घर में खीरे का इस्तेमाल सलाद के रूप किया जाता है, जो हेल्थ के लिए अच्छा भी है। लेकिन कई बार हम बिना सोचे-समझे इसे हर चीज के साथ खा लेते हैं, जिससे स्वाद तो बिगड़ता ही है, साथ में पाचन से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियां भी हो सकती हैं। सही तरीके से खाया जाए तो खीरा बहुत फायदेमंद है, लेकिन गलत कॉम्बिनेशन इसका मजा खराब कर सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि ये जान लें कि किन चीजों के साथ खीरा नहीं खाना चाहिए, ताकि आपका जायका भी ना बिगड़े और पेट से जुड़ी समस्या भी ना हों। खीरा और दही का कॉम्बिनेशन कई जगह पर इस्तेमाल होता है, लेकिन इन दोनों की जोड़ी कई बार परेशानी में डाल सकती है। खीरे में पानी बहुत ज्यादा होता है, जिससे दही पतली हो सकती है और उसका क्रीमी टेक्सचर खराब हो सकता है। इससे खाने का मजा कम हो जाता है। इसके अलावा हेल्थ के लिहाज से भी देखें तो ये पाचन संबंधी परेशानियों को जन्म दे सकता है। मीट और खीरा साथ खाने से कभी-कभी पाचन से जुड़ी प्रॉब्लम हो सकती है। मीट में प्रोटीन ज्यादा होता है और उसे पचने में समय लगता है, जबकि खीरा हल्का और पानी से भरपूर होता है और जल्दी पच जाता है। इस अंतर की वजह से पेट में भारीपन या एसिडिटी की प्रॉब्लम हो सकती है।

दुर्ग कलेक्टर परिसर में चोरों का दुस्साहस: लोक सेवा केंद्र की कुंडी उखाड़कर हजारों की चिल्लर ले उड़े

ताला नहीं तोड़ पाए तो उखाड़ दी दरवाजे की कुंडी, लॉकर में रखी नगदी को बनाया निशाना

कलेक्टर और एसपी कार्यालय के ठीक पीछे हुई वारदात, दस्तावेज और अन्य कीमती सरकारी सामान पूरी तरह सुरक्षित, पुलिस जांच में जुटी

दुर्ग। जिले के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले हाई-सिक्योरिटी जोन कलेक्टर परिसर में चोरों ने बड़ी सेंधमारी की है। शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने परिसर स्थित लोक सेवा केंद्र को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यह केंद्र जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (स्क) कार्यालय के ठीक पीछे स्थित है, जहां हर वक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती रहती है। चोरों ने यहां से रोजाना के कामकाज के लिए रखी गई करीब 6 से 7 हजार रुपये की चिल्लर (नगदी) पार कर दी और फरार हो गए।

ताला तोड़ने में रहे नाकाम, तो उखाड़ दी कुंडी

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात चोर लोक सेवा केंद्र के मुख्य दरवाजे तक पहुंच गए। उन्होंने सबसे पहले केंद्र का मुख्य ताला तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन उसमें असफल रहे। इसके बाद चोरों ने दरवाजे पर लगी लोहे की कुंडी को ही उखाड़ दिया और अंदर दाखिल हो गए। भीतर घुसते ही उन्होंने सीधे उस गल्ले और हिस्से को निशाना बनाया, जहां रोजमर्रा के लेन-देन के पैसे रखे जाते थे।

दस्तावेजों को नहीं पहुंचाया नुकसानक्षक्ष

शनिवार सुबह जब केंद्र खुला तब इस पूरी वारदात का पता चला, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। राहत की बात यह रही कि चोरों ने केवल नगदी पर ही हाथ साफकिया। लोक सेवा केंद्र में रखे कंप्यूटर, अन्य कीमती उपकरण और महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज पूरी तरह सुरक्षित हैं। चोरों ने इन सामानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। पुलिस ने मौका-मुआयना कर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और परिसर में लगे सीसीटीवी (छ्ट्व्ङ्क) फुटेज खंगाल रही है।

1 जुलाई से सत्र शुरू होने की खबर पूरी तरह फर्जी, छत्तीसगढ़ में 16 जून से ही खुलेंगे स्कूल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में नए शैक्षणिक सत्र (2026-27) की शुरुआत को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर आखिरकार विराम लग गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य की सभी शासकीय (सरकारी) एवं अशासकीय (निजी) शालाओं का विधिवत संचालन तय समय पर यानी 16 जून 2026, मंगलवार से ही प्रारंभ कर दिया जाएगा।सोशल मीडिया पर चल रही थी भ्रामक खबरेंपिछले कुछ दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह भ्रामक जानकारी तेजी से फैलाई जा रही थी कि भीषण गर्मी या अन्य प्रशासनिक कारणों के चलते नया शैक्षणिक सत्र इस बार 01 जुलाई 2026 से शुरू होगा। विभाग ने इस वायरल खबर का पूरी तरह खंडन करते हुए इसे पूरी तरह असत्य, निराधार और फर्जी करार दिया है।विभाग की मुख्य बातें और निर्देशःनियमित संचालनः सभी स्कूल (सरकारी और प्राइवेट) 16 जून से ही पूरी तरह खुल जाएंगे।भ्रामक दावों का खंडनः 1 जुलाई से स्कूल खुलने की खबरें पूरी तरह मनगढ़ंत और अफवाह मात्र हैं।सजगता की अपीलः विभाग ने पालकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों से अपील की है कि वे ऐसी अनधिकृत खबरों पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक आदेशों को ही सच मानें।सभी जिलों के शिक्षा अधिकारियों को 16 जून से शालाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

वैशाली नगर के नागरिकों को बड़ी राहत, विधायक रिकेश सेन के कार्यालय में खुलेगा रेलवे टिकट काउंटर

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के लिए विधायक रिकेश सेन ने एक बड़ी जनसुविधा की घोषणा की है। अब क्षेत्र के लोगों को रेलवे टिकट बुक कराने के लिए रेलवे स्टेशन जाने या लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी। शांति नगर जीरो रोड स्थित विधायक कार्यालय में जल्द ही रेलवे का अधिकृत टिकट काउंटर शुरू होने जा रहा है, जहाँ यात्रियों को सीधे रेलवे की निर्धारित दरों पर ही टिकट उपलब्ध कराया जाएगा।विधायक कार्यालय अब 'नागरिक सुविधा केंद्र'आमतौर पर जनप्रतिनिधियों के कार्यालय केवल जनसुनवाई और जनसमस्याओं के निवारण तक ही सीमित रहते हैं। लेकिन विधायक रिकेश सेन की इस नई पहल से अब विधायक कार्यालय को एक आधुनिक नागरिक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। क्षेत्रीय स्तर पर ही अधिकृत टिकट मिलने से लोगों को रेलवे स्टेशन के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और समय बचेगा। काउंटर पर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क या कमीशन के सीधे रेलवे की तय दरों पर टिकट मिलेगा। इस सीधी व्यवस्था से टिकट दलाली और अनधिकृत वसूली करने वाले बिचौलियों के नेटवर्क पर पूरी तरह लगाम लगेगी। इस पहल से रेलवे स्टेशनों पर टिकट काउंटरों पर होने वाली अनावश्यक भीड़ को कम करने में भी मदद मिलेगी।भविष्य के लिए बन सकता है एक नया मॉडल राजनीति से हटकर सीधे आम जनता की दैनिक जरूरतों से जुड़ी इस सुविधा को हर वर्ग के नागरिकों के लिए बेहद राहत भरा कदम माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि यह व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती है, तो भविष्य में अन्य सार्वजनिक सेवाओं (जैसे आधार, पैन या बिजली बिल भुगतान) को भी विधायक कार्यालयों के माध्यम से उपलब्ध कराने का एक नया प्रशासनिक मॉडल विकसित हो सकता है।

दुर्ग में 'यादे-रफ़्तागां' शेरी नशस्त का सफल आयोजन, उर्दू अदब की महफिल में जुटे नामचीन शायर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी और साहित्यिक संस्था हल्क-ए-अदब के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को दुर्ग में एक भव्य काव्य गोष्ठी (शेरी नशस्त) 'यादे-रफ़्तागां' का आयोजन किया गया। मोहन नगर स्थित ए.एम.आई. भवन में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रदेशभर के नामचीन शायरों और अदब-पसंद श्रोताओं ने हिस्सा लिया। दोपहर 2 बजे से शुरू हुई इस महफ़िल में देर तक शेरो-शायरी और गजलों का दौर चलता रहा, जिसने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।डॉ. संजय दानी की अध्यक्षता और रऊफ़ कुरैशी के मुख्य आतिथ्य में सजा मंच कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात वरिष्ठ शायर एवं उपन्यासकार डॉ. संजय दानी ने की। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में जिला अल्पसंख्यक बचत सहकारी साख समिति मर्यादित, दुर्ग के अध्यक्ष रऊफकुरैशी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी रायपुर के सचिव असरम खान की ओर से जारी इस दावत-नामे पर शहर के प्रबुद्ध नागरिक, साहित्य प्रेमी और उर्दू अदब के कद्रदान बड़ी संख्या में अपने मित्रों और परिजनों के साथ पहुँचे।आमंत्रित शायरों ने अपनी रचनाओं से बांधा समांइस विशेष शेरी नशस्त में राज्य के कई दिग्गज और नामचीन रचनाकारों को आमंत्रित किया गया था। मंच से अपनी बेहतरीन रचनाओं, नज्मों और गजलों का पाठ करने वाले मुख्य शायरों में शामिल रहेःमुमताज़, डॉ. संजय दानी और रियाज़ गौहरलतीफ खान, नुरुस्सबा और एजाज़ बशरआलोक नारंग, डॉ. नौशाद सिद्दीकी एवं शुचि भवीहाजी इसराइल ÷शाद÷ के कुशल संचालन ने लूटी वाहवाहीपूरी महफ़िल को एक सूत्र में पिरोने और मंच का सफल व जीवंत संचालन प्रख्यात उद्घोषक हाजी इसराइल ÷शाद÷ द्वारा किया गया। उनके चुटीले अंदाज और शेराना लहजे ने कार्यक्रम में समां बांध दिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों और शायरों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने इस साहित्यिक समागम को सफल बनाने के लिए दुर्ग-भिलाई के तमाम प्रबुद्ध नागरिकों और उर्दू प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

दुर्ग-राजनांदगांव बाईपास पर दर्दनाक हादसा

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पेट्रोल टंकी फटने से जलकर खाक हुई मोटरसाइकिल

दुर्ग, 14 जून। राष्ट्रीय राजमार्ग-53 (NH-53) पर रविवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। मोहन नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुर्ग-राजनांदगांव बाईपास पर एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दुर्घटना के तुरंत बाद मोटरसाइकिल की पेट्रोल टंकी फट गई, जिससे बाइक में भीषण आग लग गई और वह देखते ही देखते जलकर खाक हो गई।

मौके से फरार हुआ ट्रेलर चालक- मिली जानकारी के अनुसार, मृतक युवक अपनी मोटरसाइकिल (नंबर- CG 07 CV 3947) पर अकेला सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान बाईपास पर ट्रेलर (नंबर- JH 05 DS 0514) ने उसे पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी ट्रेलर चालक अपने वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

NHAI और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची- घटना की सूचना मिलते ही मोहन नगर थाना पुलिस और एनएचएआई (NHAI) की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए मृतक के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी (शवगृह) भिजवा दिया है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर ट्रेलर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

एलुमनी मीट में ताज़ा हुई पुरानी यादें, पत्रिका का हुआ विमोचन

कल्याण कॉलेज में एलुमनी मीट और विभिन्न शैक्षणिक आयोजन

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें पुरानी यादों का स्मरण किया गया। इस दौरान अतिथियों के हाथों पत्रिका का विमोचन किया गया। साथ ही टीचर्स के लिए बहुपयोगी पांडुलिपि का भी पदार्पण भी किया गया।

महाविद्यालय प्रथम तल स्थित हिंदी डिजिटल कक्ष में वनस्पति शास्त्र विभाग के द्वारा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का मिलन समारोह हुआ। आयोजन में अलग-अलग बैच के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा वार्षिक समाचार पत्रिका का विमोचन भी किया गया। साथ ही साथ टीचिंग लर्निंग संसाधन का भी विमोचन अतिथियों के हाथों किया गया।

इस दौरान मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा, महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जे.के.तिवारी, डॉ.संगीता शर्मा व अन्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस मौके पर महाविद्यालय में विज्ञान संकाय के मुखिया और वनस्पति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ.गुणवंत चंद्रौल, सहायक प्राध्यापक प्रियंका साहू, मनमीता सिंह राजपूत, गुलेश्वरी साहू, अनिल कुमार खरे, कर्मचारी व अन्य की विशेष भूमिका रही।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर दुर्ग में लगा विशेष विधिक शिविर

दुर्ग। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (छ्रक्ष), दुर्ग द्वारा किशोर न्याय बोर्ड परिसर में एक विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों, बाल श्रम के दुष्प्रभावों और कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। शिविर में विधिक विशेषज्ञों ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चे को शिक्षा पाने का पूरा अधिकार है और बाल श्रम उनके भविष्य को अंधकार में धकेलता है।ख्रछ्वस्- के काउंसलरों ने दी कानूनी जानकारीकार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम (ख्रछ्वस्-) के दो मुख्य काउंसलर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को बेहद सरल और सहज भाषा में उनके अधिकारों एवं बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।बाल श्रम उन्मूलन पर जोर और महत्वपूर्ण कानून वक्ताओं ने शिविर के दौरान बाल श्रम की परिभाषा और समाज में व्याप्त इसके विभिन्न स्वरूपों पर विस्तार से चर्चा की।

वक्ताओं ने बताया कि बाल श्रम बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में बाधा उत्पन्न करता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य को प्रभावित करता है। वक्ताओं ने बच्चों को बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986, किशोर न्याय से संबंधित प्रावधानों तथा बाल संरक्षण के लिए बनाए गए विभिन्न भारतीय कानूनों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में बच्चों को शासकीय पुनर्वास योजनाओं, शिक्षा के अधिकार तथा बाल संरक्षण तंत्र के बारे में भी अवगत कराया गया। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, गुड टच एवं बैड टच की जानकारी देकर उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों ने कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्वक अनेक प्रश्न पूछे, जिनका काउंसलरों द्वारा सरल एवं सहज भाषा में उत्तर देकर समाधान किया गया। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस अभियान में दुर्ग, भिलाई एवं धमधा क्षेत्र के पैरा लीगल वॉलंटियर्स ने सक्रिय सहभागिता निभाई। टीमों ने गाँवों, शहरों एवं मोहल्लों में पहुँचकर बच्चों, युवाओं, अभिभावकों एवं आमजन को बाल श्रम के दुष्परिणामों तथा इसके विरुद्ध बने कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान की। अभियान के दौरान लोगों को बताया गया कि बाल श्रम केवल कानून का उल्लंघन ही नहीं, बल्कि बच्चों के मौलिक अधिकारों का हनन भी है। बाल श्रम करवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून में कठोर दंड एवं जुर्माने का प्रावधान है।

पत्नी-पुत्र की हत्या,पति को दस और सास ससुर को सात वर्ष की कारावास, डाक्टर के खिलाफकार्यवाही के निर्देश

गाजीपुर। दहेज के लिए हत्या के एक मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने शुक्रवार को पति व सास ससुर को कारावास की सजा सुनायी है। कोर्ट ने मृतका के पति को 10 वर्ष तथा सास और ससुर को 7-7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी है साथ ही साथ तीनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामला थाना कोतवाली क्षेत्र के कपुरपुर देहाती का है जहां प्रार्थी विकी कुमार ने थाना मोहम्मदाबाद में अपने बहन की हत्या किए जाने की तहरीर दी थी। तहरीर में बताया कि उनकी बहन अनिता कुमारी की शादी वर्ष 2017 में मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के आदिलाबाद निवासी पवन कुमार से हुई थी। दंपति का एक पुत्र अरुण कुमार था, जिसकी उम्र घटना के समय करीब दो वर्ष थी। प्रार्थी ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए बताया कि शादी के बाद से ही पति पवन कुमार, ससुर कुबेर राम और सास गीता देवी दहेज को लेकर अनिता को प्रताड़ित करते थे, शादी में दिया गया मोटरसाइकिल, टीवी एवं अन्य सामान गुणवत्ताविहीन बताते थे। घटना के चार-पांच माह पूर्व से प्रताड़ना और बढ़ गयी थी और 27 जून 2020 की सुबह पवन कुमार अपनी पत्नी और पुत्र को मायके से लेकर आदिलाबाद स्थित अपने घर गया और उसी दिन अपने पत्नी व बच्चे को दूध में जहर देकर मार डाला। इस पूरे घटनाक्रम में पति के साथ सास और ससुर भी शामिल थे। सूचना पर पुलिस ने 27 जून 2020 को मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। विवेचना पूरी होने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष के जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर राय ने कुल 8 गवाहों को परीक्षित कराया, सभी ने घटना के समर्थन किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए अलग अलग धाराओं में सजा सुनायी। न्यायालय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद में तैनात डॉ. आकाश कुमार की भूमिका पर भी गंभीर टिप्पणी की। अदालत ने आदेश के पैरा-30 में उल्लेख किया कि आकस्मिक रजिस्टर में कथित छेड़छाड़ कर अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने मुख्य चिकित्साधिकारी गाजीपुर को डॉ. आकाश कुमार के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com